सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अक्षर पटेल से छिनेगी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी ! इन ह्श्वलेयर्स में किसी को मिल ..... -पेज: 7

नोरा फतेही ने लॉस एंजिल्स में डांस वर्कशॉप में मचाई धूम -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 144 | सोमवार 01 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

गलवान घाटी के शहीदों को भूली सरकार, अमेरिकी दबाव में झुके मोदी? भारत-चीन की नयी दोस्ती पर उठाए कांग्रेस ने सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी): दुनिया के दो सबसे ज्यादा आबादी वाले देश - जिनके पास दुनिया की दो सबसे बड़ी सैन्य शक्तियाँ हैं - अपनी लंबी और विवादित ऊँचाई वाली सीमा पर हफ़्तों से आमने-सामने थे। 5 मई 2020 से शुरू होकर, चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच लद्दाख और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में विवादित पैंगोंग झील के पास और सिक्किम और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के बीच सीमा के पास, चीन-भारत सीमा पर कई स्थानों पर आक्रामक हाथापाई, आमना-सामना और झड़पें हुईं। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भी कई स्थानों पर झड़पें हुईं। मई के अंत में, चीनी सेना ने गलवान नदी घाटी में भारतीय सड़क निर्माण पर आपत्ति जताई। भारतीय सूत्रों के अनुसार, 15-16 जून 2020 को हुई हाथापाई में चीनी और भारतीय सैनिकों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि दोनों पक्षों के सैनिकों को बंदी बना लिया गया और अगले कुछ दिनों में रिहा कर दिया गया, जबकि दोनों पक्षों के आधिकारिक सूत्रों ने इससे इनकार किया। 7 सितंबर को, 45 वर्षों में पहली बार, एलएसी पर गोलियां चलाई गईं, दोनों पक्षों ने गोलीबारी के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहराया। भारतीय मीडिया ने यह भी बताया कि भारतीय सैनिकों ने 30 अगस्त को पीएलए पर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं। अब लगभग 7 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 अगस्त को तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। यह 2020 के गलवान संघर्ष के बाद उनकी पहली चीन यात्रा है, 2020झ 2021 चीन-भारत झड़पों ने द्विपक्षीय संबंधों को गंभीर रूप से तनावपूर्ण बना दिया था। इस मुलाकात को दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को फिर से स्थापित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जो कभी बातचीत तो कभी टकराव के बीच उलझे रहे हैं। अब शी से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारत आने का निमंत्रण दिया है। शी जिनपिंग ने निमंत्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और नई दिल्ली को इसकी अध्यक्षता के लिए अपना पूर्ण समर्थन देने की पेशकश की। विदेश मंत्रालय ने रविवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक के बाद यह जानकारी दी। आगामी वार्ता को लेकर एक अहम सवाल यह है- क्या तियानजिन में कोई नया आयाम जुड़ सकता है? यह मुलाकात मोदी-शी संबंधों के जटिल इतिहास को दशार्ती है, जिसमें सभ्यतागत जुड़ाव से लेकर सैन्य टकराव तक शामिल है, क्योंकि दोनों देश आगे बढ़ने का रास्ता तलाश रहे हैं। क्या मोदी सरकार गलवान घाटी में जो कुछ हुआ है वह भूल गयी है? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच रविवार को मुलाकात के बाद कांग्रेस ने केंद्र पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या न्यू नॉर्मल (नयी सामान्य स्थिति) चीन की आक्रामकता और सरकार की कायरता से परिभाषित किया जाना चाहिए। कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का चीन के साथ सुलह पर जोर देना वास्तव में उसकी क्षेत्रीय आक्रामकता को वैध ठहरा रहा है। मोदी ने तियानजिन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अपनी बैठक में कहा कि भारत आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आज प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई मुलाकात का आकलन निम्नलिखित संदर्भों में किया जाना चाहिए - जून 2020 में गलवान घाटी में चीनी आक्रामकता के चलते हमारे 20 सबसे बहादुर जवानों ने अपनी जान की कुबार्नी दी।

अब लगभग 7 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 अगस्त को तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। यह 2020 के गलवान संघर्ष के बाद उनकी पहली चीन यात्रा है, 2020/2021 चीन-भारत झड़पों ने द्विपक्षीय संबंधों को गंभीर रूप से तनावपूर्ण बना दिया था।

अमेरिकी शुल्क से जयपुर, जोधपुर सहित पूरे राजस्थान के हस्तशिल्प निर्यातक परेशान: गहलोत

राजस्थान: राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए शुल्कों से राज्य के हस्तशिल्प उद्योग से जुड़े निर्यातक परेशान हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हस्तशिल्प के प्रमुख केंद्र जयपुर और जोधपुर इस स्थिति का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगत रहे हैं। गहलोत ने चेतावनी दी कि निर्यात में कमी से राज्य की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है और इन उद्योगों में कार्यरत कारीगरों और श्रमिकों की आजीविका खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने स्थिति को अप्रिय बताया और केंद्र से शुल्कों से उत्पन्न चुनौतियों को कम करने के लिए त्वरित और निर्णायक कदम उठाने का आग्रह किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा केंद्र सरकार को इस चुनौती से निपटने के लिए जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने होंगे तथा निर्यातकों को भरोसा दिलाना होगा कि सरकार उनके साथ हर स्थिति में खड़ी है ताकि उनका मनोबल प्रभावित न हो एवं सभी की आजीविका चलती रहे।

चीनी सामान से बढ़ा देश का आर्थिक संकट, भाजपा की आत्मनिर्भरता खोखली, अखिलेश यादव का सरकार पर हमला

लखनऊ (एजेंसी): समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि चीन से आने वाले सामानों पर भारत की निर्भरता लगातार बढ़ रही है, जिसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के घटते कारोबार पर पड़ रहा है। सपा प्रमुख यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, यही है तथाकथित आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और चीनी सामान के बहिष्कार के भाजपाई जुमलों का चिंताजनक सच। उन्होंने इसे विस्तार से समझाते हुए कहा, चीन से आने वाले सामानों पर जिस तरह भारत की निर्भरता बढ़ती जा रही है, उसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के लगातार घटते जा रहे काम-कारोबार पर पड़ा है। इससे बेरोजगारी भी बेतहाशा बढ़ रही है। यादव ने आगाह करते हुए कहा, भाजपा चीनी चाल की क्रोनोलॉजी समझे। उन्होंने आगे कहा, पहले चीन अपना माल भारत के बाजारों में भर देगा जिससे चीन पर निर्भरता इतनी बढ़ जाएगी कि उनकी हर गलत हरकत को नजरअंदाज करने के लिए भाजपाई मजबूर हो जाएंगे। यादव ने दावा किया, उसके बाद चीन हमारे उत्पादों और उद्योगों को धीरे-धीरे बंद करवाने के कगार तक ले जाएगा और उसके बाद मनमाने दाम पर हर चीज की आपूर्ति करेगा।उसके बाद महंगाई-बेरोजगारी बढ़ाएगा। भविष्य के खतरों को लेकर उन्होंने आगाह किया, जब महंगाई और बेरोजगारी ज्यादा होगी तो सरकार के खिलाफ जनता का आक्रोश भी बढ़ेगा और बिना बहुमत की भाजपा की सरकार और भी कमजोर होकर लड़खड़ा जाएगी। सपा प्रमुख ने कहा, फिर खुद ही लड़खड़ाती भाजपा सरकार चीन के अतिक्रमण को चुनौती नहीं दे पाएगी... उसके बाद हमारी जमीन पर चीन अपना कब्जा और बढ़ाएगा।... इसके बाद भाजपा दोहराएगी कि न कोई न कोई! यादव ने कहा, अगर ये बात ड्रोनवालों को समझ नहीं आ रही है तो उत्तर प्रदेश में विराजमान बुलडोजर वाले प्रवासी जी ही ये सच्चाई समझकर जवाब दें कि चीन ने हमारी कितनी जमीन हड़प ली है, क्योंकि उनका मूल निवास स्थान भी चीन के कब्जे का शिकार हुआ है

राहुल गांधी को नाना-नानी के पास चले जाना चाहिए, उनको इस जगत में रहने का अधिकार नहीं ; सीएम मोहन यादव

मुरैना (एजेंसी): मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को मुरैना दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां पर गलत बयान देते हैं। अगर उन्हें इतनी परेशानी है, तो अपने नाना-दादी और पिता के पास चले जाना चाहिए। इस जगत में रहने का उन्हें कोई हक नहीं है। दरअसल सीएम यादव मुरैना में हाइड्रोजन यूनिट के भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां आमसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। राहुल गांधी पर तीखे तेवर सीएम ने कहा कि राहुल गांधी तरह-तरह के प्रपंच रचते हैं। पहले उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाए और अब चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल कर रहे हैं। यदि उन्हें शंका थी तो सर्जिकल स्ट्राइक के समय वहां चले जाना चाहिए था। बम के नीचे खड़े होकर सब पता चल जाता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की हार का सिलसिला लगातार जारी है। राहुल गांधी को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी से सीखना चाहिए, जिन्होंने विपक्ष और मंत्रियों के साथ मिलकर लोकतंत्र की मयार्दा निभाई थी। मुरैना को मिलेंगे बड़े प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जिले में 101 हेक्टेयर का एक नया औद्योगिक पार्क बनाया जा रहा है। इसके साथ ही पिपरसेवा में 157.5 करोड़ की लागत से 500 मेगावाट का सोलर प्लांट भी 2030 तक तैयार होगा। उन्होंने कहा कि कभी मुरैना-चंबल क्षेत्र में उद्योगपति आना नहीं चाहते थे, क्योंकि कांग्रेसियों ने यहां डाकुओं को जमीन दे रखी थी। लेकिन अब समय बदल रहा है और बड़े उद्योगपति यहां निवेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि मुरैना में करीब 300 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है और यहां शनि लोक भी बनाया जाएगा। धार्मिक स्थलों का करेंगे दौरा भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव शनि मंदिर के दर्शन के लिए रवाना हुए। इसके बाद वे पोरसा पहुंचकर ग्राम रजौधा में सांदीपनी स्कूल का लोकार्पण और आसमानी माता मंदिर के दर्शन करेंगे। यह मंदिर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के पैतृक गांव में स्थित है।

अमित शाह ने अहमदाबाद में शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया, पौधारोपण अभियान में भाग लिया

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां पौधारोपण अभियान में भाग लिया और शहरी स्वास्थ्य केंद्र का भी उद्घाटन किया। शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद के घाटलोदिया वार्ड में एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत पौधारोपण अभियान का नेतृत्व किया। यह अभियान लोगों को अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह कार्यक्रम अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) द्वारा आयुष्मान वन में आयोजित किया गया। वहीं, एक अन्य कार्यक्रम में शाह ने अहमदाबाद के गोटा वार्ड में 3.84 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। इस संबंध में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह केंद्र आयुष्मान भारत के तहत पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) कार्ड, आभा कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना के साथ-साथ अन्य सभी स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा, यह गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और महिलाओं के रोगों के निदान, उपचार सेवाओं की सुविधा भी प्रदान करेगा। विज्ञप्ति में कहा गया कि नवजात शिशुओं और बच्चों के लिए बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा जांच, निदान, उपचार सेवाएं तथा गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण से संबंधित सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। यह केंद्र सभी संचारी रोगों का शीघ्र निदान, उपचार और रेफरल, रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर समेत अन्य रोगों के लिए रोगियों की जांच और रेफरल जैसी सेवाएं भी प्रदान करेगा।

ट्रंप के 50% टैरिफ से हिला ये राज्य, 34,000 करोड़ का बड़ा घाटा, सीएम बोले - खतरे पर हैं नौकरियां

तमिलनाडु (एजेंसी): अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 फीसदी आयात शुल्क (टैरिफ) का असर अब साफ दिखने लगा है। यह टैरिफ 27 अगस्त 2025 से लागू हो चुका है और इसके कारण कई सेक्टरों में चिंता बढ़ गई है। सबसे ज्यादा मार तमिलनाडु की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर पड़ रही है। तमिलनाडु को 3.93 अरब डॉलर का नुकसान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा है कि इस टैरिफ से राज्य को करीब 3.93 अरब डॉलर (लगभग 34,600 करोड़ रुपये) का नुकसान हो सकता है। उन्होंने इसे राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका बताया है। अमेरिका तमिलनाडु का सबसे बड़ा निर्यात बाजार अमेरिका लंबे समय से तमिलनाडु का सबसे बड़ा निर्यात बाजार रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में राज्य के कुल निर्यात का 31% हिस्सा केवल अमेरिका को गया था, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह औसत 20% है। ट्रंप के डबल टैरिफ लागू करने के बाद कई अमेरिकी कंपनियों ने तमिलनाडु से दिए गए ऑर्डर रद्द कर दिए हैं। इससे खासतौर पर इन सेक्टर्स को बड़ा नुकसान हो रहा है: टेक्सटाइल (कपड़ा उद्योग) मशीनरी जेम्स एंड ज्वेलरी ऑटो पार्ट्स नौकरियों पर संकट सीएम स्टालिन ने चेतावनी दी है कि इस टैरिफ का असर सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि 13% से 36% तक नौकरियां भी खतरे में पड़ सकती हैं। खासतौर पर कपड़ा क्षेत्र पर सबसे ज्यादा संकट है। अनुमान है कि सिर्फ इसी सेक्टर को 1.62 अरब डॉलर (14,279 करोड़ रुपये) का नुकसान हो सकता है। भारत के कपड़ा निर्यात में तमिलनाडु सबसे आगे भारत के कुल कपड़ा निर्यात में 28% योगदान तमिलनाडु का है। यह उद्योग लाखों परिवारों की रोजी-रोटी का साधन है। उदाहरण के लिए, तिरुप्पुर जिला कपड़ा उद्योग का मुख्य केंद्र है, जहां 65% महिलाएं काम करती हैं। अकेले पिछले साल इस जिले से कपड़ा निर्यात ने 40,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित की। यह क्षेत्र रंगाई, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स और मशीनरी जैसे उद्योगों को भी सहारा देता है। सीएम स्टालिन ने की पीएम ने राहत पैकेज की मांग सीएम स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि तमिलनाडु को एक स्पेशल राहत पैकेज दिया जाए। साथ ही उन्होंने ये सुझाव भी दिए हैं: मानव निर्मित फाइबर पर GST सुधार RODTEP स्कीम में बढ़ोतरी यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अफ्रीका के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स में तेजी केंद्र सरकार का बड़ा कदम हाल ही में केंद्र सरकार ने कपास आयात पर 11% कस्टम ड्यूटी को 31 दिसंबर तक स्थगित कर दिया है। स्टालिन ने इस फैसले का स्वागत किया, लेकिन कहा कि यह कदम अमेरिकी टैरिफ से पैदा हुए बड़े संकट का केवल आंशिक समाधान है। जब तक शुल्क वापस नहीं लिए जाते या अतिरिक्त राहत नहीं दी जाती, तब तक यह समस्या बनी रहेगी।

'भारत जैसे देश नहीं दबाया जा सकता', चीनी एक्सपर्ट ने की ट्रंप के टैरिफ की आलोचना; बताया क्यों जरूरी है भारत से दोस्ती

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच करीब एक घंटे तक मुलाकात हुई। ये मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब दुनिया के कई देश ट्रंप के टैरिफ की मार झेल रहे हैं। ट्रंप के भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। ट्रंप के इस कदम की आलोचना करके हुए जियोपॉलिटिकल एक्सपर्ट ने इसे क्षणिक करार दिया है। ताईहे इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ फेलो एइनार टैंगन ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत को मजबूर करना चाहते थे उन्हें लगता था कि ये भारत पर धौंस लगाने का सही अवसर है। लेकिन मुझे लगता है कि भारत जैसे देश को, जो बाजारों और श्रम के लिए इतना महत्वपूर्ण है, कमतर आंकना यह उचित है। चीनी एक्सपर्ट ने यह टिप्पणी एनडीटीवी पर एक पैनल चर्चा के दौरान की, जब प्रधानमंत्री मोदी ने शी के साथ द्विपक्षीय बैठक की और चीनी नेता को आपसी विश्वास और सम्मान के आधार पर भारत-चीन संबंधों को आगे ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता से अवगत कराया। उन्होंने तर्क दिया कि यह बैठक केवल भारत और चीन के बारे में नहीं थी बल्कि कई चिंतित देशों के बारे में भी थी जो ट्रंप के टैरिफ का सामना कर रहे हैं।

ट्रंप ने 180 देशों पर टैरिफ लगाए

एइनार टैंगन ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने 180 देशों पर टैरिफ लगाए हैं। इस समय, भारत के पास एक अवसर है। भारत इसका सामना कर सकता है। भारत एससीओ और ब्रिक्स, दोनों में संतुलनकारी शक्ति रहा है। अमेरिका गुटनिरपेक्ष आंदोलन में भारत के नेतृत्व को लेकर चिंतित है, कि वह वाशिंगटन के "औपनिवेशिक खेलों" का सामना करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात के दौरान ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ पर चर्चा हुई। एक चीनी एक्सपर्ट ने कहा कि ट्रंप ने 180 देशों पर टैरिफ लगाए हैं जिससे भारत के पास एक अवसर है।

नई दिल्ली को दबाना चाहता है वॉशिंगटन- एक्सपर्ट

उन्होंने कहा, "वाशिंगटन इस कदम से इसलिए कतरा रहा है क्योंकि वह नई दिल्ली को दबाना चाहता है। उसे चिंता है कि अगर भारत गुटनिरपेक्ष दुनिया का नेतृत्व करता है और अमेरिका को बता देता है, तो बात यहीं खत्म हो जाएगी। आप जितना चाहें टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन वे सभी देशों के लिए एक समान होने चाहिए। आप हमें औपनिवेशिक खेलों में नहीं बांट सकते और हमें चीन, रूस और कई अन्य देशों सहित एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खड़ा कर सकते।"

मोदी के लिए नेतृत्व की बागडोर संभालने का अवसर- एक्सपर्ट

टैंगन ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को भी एक महत्वपूर्ण कारक बताया, जिसने उनके अनुसार अमेरिका की नींद उड़ा दी है। उन्होंने कहा, "यह खड़े होने, अपनी गिनती में आने और मोदी के लिए नेतृत्व की बागडोर संभालने का अवसर है। मुझे लगता है कि यही वह चीज है जो वाशिंगटन को देर रात तक जगाए रखती है।"

भारत ने सीजफायर में ट्रंप की भूमिका को नकारा

अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। रूसी तेल आयात बंद करने से इनकार करने के बाद ट्रंप मे बौखलाहट में ये कदम उठाया है। हालांकि रिपोर्टों से पता चलता है कि टैरिफ का संबंध पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान भारत द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शांतिदूत कहने से इनकार करने से है।

संपादकीय

सबक लेना जरूरी

देश में प्रति दिन औसतन 86 रेप होते हैं। यह संख्या वह है, जो पुलिस के रिकार्ड में दर्ज की जाती है। हर दिन होने वाले ढेरों रेप या रेप के प्रयास, हिंसक छेड़छाड़ और अभद्रता की संख्या का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट व सूचकांक-2025 के अनुसार दिल्ली समेत पटना, जयपुर, कोलकाता, श्रीनगर, रांची व फरीदाबाद महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित हैं जबकि मुंबई, कोहिमा, भुवनेर, विशाखापत्तनम व गंगटोक सबसे सुरक्षित। कोहिमा व अन्य सुरक्षित शहरों में महिलाओं को ज्यादा समानता, नागरिक भागीदारी, बेहतर पुलिस व्यवस्था व अनुकूल बुनियादी ढांचा बताया जा रहा है। यह सव्रेक्षण देश के इक्तीस शहरों की बारह हजार 770 महिलाओं पर किया गया। दस में से छह महिलाओं ने खुद को अपने शहर में सुरक्षित बताया जबकि 40% ने ज्यादा सुरक्षित नहीं या असुरक्षित माना। करीब 91% महिलाएं कार्यस्थल पर खुद को सुरक्षित बता रही हैं। 7% महिलाएं मानती हैं कि सार्वजनिक स्थल पर उन्होंने बीते वर्ष उत्पीड़न झेला। हालांकि हर तीन में से दो महिलाएं उत्पीड़न की शिकायत नहीं करतीं। 29% सार्वजनिक परिवहन में और 38% पड़ोस में उत्पीड़न का शिकार होती हैं। जिन शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे की कमी है, वहां महिलाएं ज्यादा असुरक्षित हैं। स्वीकार करना होगा कि असुरक्षित महसूस करने वाली जगहों के नागरिकों की शिक्षा, सोच व संस्थागत जवाबदेही का कमजोर होना प्रमुख कारण हैं। हालांकि सवा अरब की आबादी में पौने तेरह हजार महिलाओं पर अध्ययन नाममात्र ही कहा जाएगा। ऐसे अध्ययनों में कुछ लाख नागरिकों को शामिल किया जाना चाहिए। रस्मादायगी के तौर पर सव्रेक्षण समाज या देश के लिए हितकारी नहीं कहे जा सकते। इनके निष्कषरे के अनुसार कदम उठाए जाने चाहिए। राज्य सरकारों, महिला आयोग जैसी संस्थाओं पर कड़ाई रहनी चाहिए। पितृसत्तात्मक बर्ताव, स्त्री उपेक्षा व लैंगिक विभेद के प्रति नागरिकों को जागरूक करना होगा। आंकड़ों को प्रकाशित/प्रसारित करने भर की रस्म से सुधार संभव नहीं हैं। जमीनी स्तर पर भी गंभीरतापूर्वक काम होना चाहिए। रेप, छेड़छाड़, व्यभिचार को असुरक्षा की स्थिति से अलग नहीं किया जा सकता। सोच और रवैया, दोनों बदलने के साथ ही संबंधित विभागों, पुलिस और प्रशासन को जिम्मेदार बनाना भी जरूरी है।

चिंतन-मनन

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए। सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है।

दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार करे और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

पोषण भी पढ़ाई भी: भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरूआत –अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्य आकार लेता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने–न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षाः आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है।

आज के भारत में, खेल अब सिर्फ.मनोरंजन भर नहीं, अपितु –नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुंल स्पखष्ट. और विश्व सनीय हैं । पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्यावस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है–जीवन के शुरूआती छह वर्षों में।

वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में–पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई। विकासशील भारत के लिए ये वृद्धि बेहद महत्वपूर्ण है। भारत के ये निष्कर्ष वैश्विक शोध के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि पाँच साल की उम्र से पहले गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों में उच्च आईक्यू, बेहतर सामाजिक कौशल और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की संभावना 67 प्रतिशत अधिक होती है। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जेम्स हेकमैन की प्रसिद्ध उक्ति है,जितनी जल्दी शुरूआत, उतने बेहतर परिणाम–और उतने ही कुशल रिटर्न उनके शोध में अनुमान व्यकक्त् किया गया है कि प्रारंभिक बाल्या वस्थाट में निवेश से 13-18 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है–जो शिक्षा या नौकरी के प्रशिक्षण के किसी भी अन्य चरण से अधिक है।

ईसीसीई के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही प्रकार के महत्व को समझते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी नामक एक पहल शुरू की है, जिसने आंगनवाड़ी केंद्रों को जीवंत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में तब्दीएल कर दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकताओं को पहली बार स्थानीय और स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग कर गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित रूप से ईसीसीई में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षण-अधिगम सामग्री के लिए बजट आवंटन में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है, और मासिक ईसीसीई दिवसों को संस्थागत रूप दिया गया है। आज, आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण का स्थान नहीं है–यह प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला है, जो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समग्र विकास का पोषण करती है।

मंत्रालय ने इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-आधारशिला, की शुरूआत की है। आधारशिला बच्चों के केवल बौद्धिक विकास पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण पर भी जोर देते हुए समग्र विकास पर केंद्रित है। यह खेल के माध्यम से सीखने की व्यीवस्थित प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, जिससे बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण में बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलता है।

बच्चे खेलने के प्रति सहज रूप से आकर्षित होते हैं - अपनी दुनिया के कोने-कोने को खोज और आनंद के स्थान में तब्दी ल कर देते हैं। सही वातावरण के साथ यह प्रवृत्ति आजीवन सीखने की नींव बन जाती है। पोषण भी पढाई भी सुरक्षित, व्यनवस्थित और प्रेरक वातावरण प्रदान करके इस भावना को पोषित करती है जहाँ बच्चे निर्देशित खेल और शिक्षा के माध्यम से फल-फूल सकते हैं। प्रारंभिक बाल्याँवस्थो देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) हमारे देश के भविष्य को आकार देने में बुनियादी भूमिका निभाती है। पोषण भी पढाई भी पहल के तहत, देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों को समग्र प्रारंभिक शिक्षा के लिए पोषण स्थलों में बदला जा रहा है। व्यंवस्थित आधारशिला की 5+1 साप्ताहिक योजना यह सुनिश्चित करती है कि दिन की शुरूआत 30 मिनट के उन्मुक्तिध खेल से हो, उसके बाद भाषा, रचनात्मकता, मोटर स्किल और सामाजिक संपर्क को बढ़ाने वाली व्यमवस्थित गतिविधियाँ हों। दोपहर के पौष्टिक भोजन और आराम के बाद, दिन का समापन बाहरी खेल और बातचीत के साथ होता है, जो मूल्यों को सुदृढ़ करता है और भावनात्मक संबंध बनाता है।

व्य वस्थित और निर्बाध खेल के प्रति यह संतुलित दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आलोक में, जिसने औपचारिक स्कूल प्रवेश की आयु को छह वर्ष कर दिया है। व्यकवस्थित ईसीसीई यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक रूप से स्कूल के लिए तैयार हों। देश भर के अभिभावकों का बढ़ता विश्वास वास्तव में उत्साहजनक है। जो परिवार पहले कभी आंगनवाड़ियों को केवल पोषण केंद्र मानते थे, अब उन्हें अपने बच्चे की शिक्षा की यात्रा में पहला कदम मानते हैं।

भारत में हर बच्चा जन्म से ही मजबूत शुरूआत का हकदार है। जन्म से तीन साल तक की आयु वर्ग के बुनियादी महत्व को समझते हुए मंत्रालय ने प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रीय ढाँचा-

नवचेतना की भी शुरूआत की है। यह पहल माता-पिता और देखरेखकताओं को बच्चों के विकास के लिए घर पर ही सरल, खेल-आधारित, आयु के - उपयुक्त गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाती है। माता-पिता की भागीदारी बच्चे के विकास की कुंजी है। जहाँ एक ओर उच्च आय वाले परिवार खिलौनों और किताबों में निवेश कर सकते हैं, वहीं सरकार की भूमिका कम आय वाले परिवारों के लिए समान अवसर प्रदान करने की है। नवचेतना और पोषण भी पढ़ाई भी के माध्यम से, हम भारत के कोने- कोने में हर बच्चे को शुरू से ही आवश्यक प्रोत्साहन, देखभाल और पोषण मिलना सुनिश्चित करते हुए इस अंतर को पाट रहे हैं।

यदि भारत को सही मायनों में विकसित बनना है, तो हमारी युवा पीढ़ी को जीवन की सही शुरूआत के साथ सशक्त बनाना होगा। खेल कोई विलासिता नहीं है–यह सीखने का आधार है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारत के प्रत्येक बच्चे को सीखने, बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिले–क्योंकि राष्ट्र निर्माण की शुरूआत उसके सबसे छोटे नागरिकों के पोषण से होती है।

(केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, भारत सरकार)

आर्थिकी: अब निर्यात की नई रणनीति

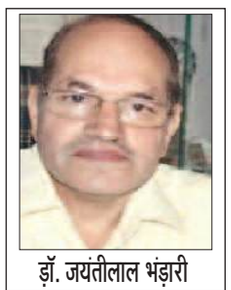
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

एक ओर जब 27 अगस्त से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसद टैरिफ लागू कर दिया गया है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि कोई चाहे कितना भी दबाव डाले आत्मनिर्भर भारत झुकने वाला नहीं है। मोदी ने कहा कि देश के छोटे उद्योगों, किसानों और पशुपालकों के हित सर्वोपरि हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ से देश की आर्थिक वृद्धि प्रभावित होने पर केंद्रीय बैंक नीतिगत उपाय कर सकता है।

यह बात महत्त्वपूर्ण है कि भारत ने निर्यातकों को सहारा देने की नई रणनीति सुनिश्चित की है। निर्यात प्रोत्साहन के लिए 40 देशों में विशेष संपर्क कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई है। सरल कर व्यवस्था और लोगों की क्रयशक्ति बढ़ा कर घरेलू खपत बढ़ाने की योजना बनाई है। घरेलू खपत बढ़ा कर भारत कुछ हद तक अमेरिकी व्यापार में होने वाले नुकसान की भरपाई कर सकता है। भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता की प्रक्रिया भी जारी रखी है। अमेरिका ने कहा है कि दोनों देश साथ आएंगे और व्यापार वार्ता से विश्वास बहाल होगा।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप की ओर से भारतीय उत्पादों पर टैरिफ से अमेरिका को भारत से होने वाले वस्तु निर्यात का करीब 55 फीसद यानी करीब 48 अरब का निर्यात प्रभावित हो सकता है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने अपने कुल निर्यात का पांचवा हिस्सा यानी करीब 86.5 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का अमेरिका को निर्यात किया था। ऐसे में भारत के निर्यातकों के सामने मुश्किलें खड़ी होती दिखाई दे रही हैं। खास तौर से देश के सक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित निर्यात पर भारी असर पड़ने का परिदृश्य उभरता दिखाई दे रहा है। स्थिति यह है कि कपड़ा, रत्न, रसायन, खाद्य प्रसंस्करण, झींगा, हस्तशिल्प और चमड़ा जैसे क्षेत्रों को ऊंचे टैरिफ से भारी नुकसान होना तय है। एमएसएमई की चुनौतियों से बड़ी संख्या में नौकरियां भी खतरे में पड़ गई हैं।

ट्रंप के टैरिफ से उभरीं चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है। इस समय देश के पास मौजूद आर्थिक अनुकूलताएं देश की आर्थिक ताकत बन गई हैं। घरेलू बाजार मजबूत बना हुआ है। जीएसटी कलेक्शन बढ़ रहा है। महंगाई नियंत्रित है। इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास दिखाई दे रहा है। वैश्विक रेटिंग एजेंसियां भारत की अर्थव्यवस्था पर भरोसा जता रही हैं। निर्यात चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए वाणिज्यिक बैंक ब्याज दरों में छूट, कर्ज भुगतान के लचीले विकल्प दे रहे हैं और निर्यात बीमा एवं ऋण गारंटी योजनाएं सुगमता से उपलब्ध करा रहे हैं।

तमाम उपाय किए जा रहे हैं जिनसे भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न होने वाली वैश्विक व्यापार की अनिश्चितताओं से बचाया जा सके। इस कड़ी में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे नियार्तोन्मुख एमएसएमई लाभांवित होंगे। नवाचार पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि एमएसएमई गुणवत्ता को मुट्ठी में लेकर समकालीन डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को रणनीतिक रूप से बढ़ा सकते हैं। चूंकि एमएसएमई आर्थिकी के मजबूत इंजन की तरह काम कर रहे हैं। ऐसे में इस विकास को बनाए रखने के लिए एमएसएमई को सहयोग, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता दी जानी होगी। इन सबके साथ-साथ एमएसएमई क्षेत्र को भी ट्रंप टैरिफ की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढ़ने की तैयारी करना होगी। उम्मीद करें कि 27 अगस्त से अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 फीसद टैरिफ की चुनौती से मुकाबले के लिए सरकार निर्यातकों को नई निर्यात प्रोत्साहन योजना की छतरी प्रदान करेगी। उम्मीद करें कि सरकार कारोबारी सरलता, डिजिटल ढांचा, कुशल श्रमिक, वैश्विक बाजार पहुंच, फंडिंग की पर्याप्तता, टेक्नोलॉजी के सहयोग, स्किल डवलपमेंट, अनुपालन बोझ में कमी और निर्यात के नये बाजारों में कदम जैसे रणनीतिक कदमों से एमएसएमई को सहारा देते हुए अमेरिकी टैरिफ की चुनौतियों का सफलता से मुकाबला करते दिखेगी।

विश्व को राह दिखाएं हमारे गांव

आज विश्व पर्यावरण विनाश और सामाजिक विघटन का जो संकट झेल रहा है, उसके समाधान के अधिक अवसर महानगरों की अपेक्षा ग्रामीण परिवेश में मिल सकते हैं। यदि भारत के गांवों के लिए उचित नीतियां अपनाई जाएं तो इससे विश्व स्तर के कई उलझे सवालों के समाधान में भी मदद मिल सकती है। इसके लिए जरूरी है कि समता, न्याय और समाज-सुधार की नीतियां अपनाई जाएं। महात्मा गांधी के विचारों से हमें बहुत सहायता मिल सकती है। सबसे प्रमुख सहमति का विषय यह होना चाहिए कि राष्ट्रीय विकास के केंद्र में ग्रामीण विकास होगा, गांवों को अति महत्त्वपूर्ण भूमिका मिलेगी।

विकास का अर्थ यह नहीं होगा कि अनिवार्य तौर पर गांव को पीछे हटा कर शहर ही आगे बढेंगे, अपितु गांवों और खेती-किसानी के विकास को पूरे विकास में सबसे मह'वपूर्ण और बुनियादी भूमिका दी जाएगी। दीर्घकालीन दृष्टि से देखें तो गांवों में जल-संरक्षण और हरियाली का बना रहना, यह दो सबसे बड़ी जरूरतें हैं। पानी तो विकास का ही नहीं, अस्तित्व का आधार है। सभी प्राकृतिक जल-स्त्रोतों की रक्षा होनी चाहिए। भू-जल का उपयोग सुरक्षित सीमा तक ही होना चाहिए। जल-उपयोग में पहली प्राथमिकता पेयजल, घरेलू उपयोग और फिर कृषि को मिलनी चाहिए। फसल-चक्र स्थानीय जल उपलब्धि के अनुकूल होना चाहिए। स्थानीय वनस्पति और वृक्षों की प्रजातियों, को बचाना और पनपाना चाहिए। खाद्य, चारे, वन और मिट्टी संरक्षण के स्थानीय वृक्षों को समुचित महत्त्व देना चाहिए। विशेषकर पहाड़ों पर पेड़ों और हरियाली को बढ़ाना चाहिए। चरागाहों की रक्षा करनी चाहिए और उन्हें पनपने का अवसर मिलना चाहिए।

खेती की तकनीक ऐसी होनी चाहिए जो पर्यावरण की रक्षा के अनुकूल हो, टिकाऊ हो, सस्ती हो, स्थानीय संसाधनों पर आधारित हो और बाहरी निर्भरता को न्यूनतम करे। रासायनिक खाद और दवाओं पर निर्भर होने के स्थान पर कंपोस्ट और गोबर-पत्ती आदि की खाद का उपयोग बढ़ाना चाहिए। पशुपालन को प्रोत्साहित करना चाहिए और पशुओं की अच्छी देखरेख होनी चाहिए, उनसे कोई क्रूरता नहीं होनी चाहिए। स्थानीय नस्लों को प्रोत्साहित करना चाहिए। पशुपालक समुदायों की सहायता करनी चाहिए। कृषि और पशुपालन के परंपरागत ज्ञान से भरपूर सीखना चाहिए। प्रकृति की प्रक्रियाओं से सीखते हुए बेहतर कृषि के तौर-तरीके सीखने चाहिए। देशीय नस्ल की मधुमक्खियों और

परागीकरण करने वाले अन्य कीट-पतंगों और पक्षियों की रक्षा करनी चाहिए। परंपरागत फसल-विविधता, मिश्रित खेती, को प्रोत्साहित करना चाहिए। फसल-चक्र स्थानीय जल-उपलब्धि और मिट्टी के अनुकूल होना चाहिए और उसका जल-मिट्टी पर अधिक दबाव नहीं पड़ना चाहिए। कृषि का आधार छोटे और मझले किसान हैं। किसी के पास बहुत अधिक भूमि है तो उससे कुछ भूमि ले कर भूमिहीनों में वितरित होनी चाहिए। अन्य उपायों से भी भूमिहीन खेत मजदूरों को भूमि दी जानी चाहिए। भूमिहीनों सहित सभी स्थानीय गांववासियों के लिए आवास-अधिकार सुनिश्चित और स्पष्ट होना चाहिए और इसके लिए आवश्यक भूमि उन्हें प्राप्त होनी चाहिए। सबसे निर्धन गांववासियों को ग्रामीण विकास के प्रयासों में उच्चतम प्राथमिकता मिलनी चाहिए और उनकी टिकाऊ आजीविका सुनिश्चित करने, संसाधन आधार बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए।

विविधता भरी आजीविकाओं और रोजगारों के लिए अर्थव्यवस्था में ऐसे सुधार करने चाहिए जिससे अधिक रोजगारों का सृजन गांव, कस्बे, छोटे शहर के स्तर पर हो और इन रोजगारों में प्रदूषण न्यूनतम रखने के प्रयास आरंभ से हों। दस्तकारियों और हस्तशिल्प व दस्तकारों को प्रोत्साहित करना चाहिए। विविधता-भरे रोजगारों में परंपरागत के साथ आधुनिक रोजगारों (जैसे सूचना तकनीक, पर्यावरण की रक्षा पर आधारित पर्यटन, सौर ऊर्जा, ऊर्जा ग्रिड आदि) का मिश्रण होना चाहिए। पंचायत स्तर पर स्थानीय किसानों से ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आंगनबाड़ी, मिड-डे मील आदि के लिए विभिन्न कृषि उपज न्याय संगत कीमत पर खरीदनी चाहिए। भोजन पकाने और आपूर्ति का कार्य महिला स्वयं सहायता समूहों को मिलना चाहिए। बच्चों के साथ असहाय व्यक्तियों के लिए भी मिड-डे मील उपलब्ध होना चाहिए। पंचायतों को मजबूत करना चाहिए और उन्हें अधिक संसाधन मिलने चाहिए, पर जो पद अभी विशेष उपयोगिता के नहीं पाए गए हैं उन्हें धीरे-धीरे हटा देना चाहिए। पंचायत चुनावों से गांव में गुटबाजी और दुश्मनी न आए, इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। न्याय के लिए कोर्ट-कचहरी में भटकने के स्थान पर निशुल्क न्याय पंचायत स्तर पर हो सके, इस दिशा में बढक्ष्ना चाहिए। ग्राम सभा और वार्ड सभा को सशक्त होना चाहिए। विस्थापन या गांव के भविष्य से जुड़े किसी बड़े निर्णय पर ग्राम-सभा के निर्णय को उच्च महत्त्व मिलना चाहिए। विस्थापन की संभावना न्यूनतम करनी चाहिए। फिर भी मजबूरी में किसी को विस्थापित होना पडक्ष्े तो उससे पूरा न्याय होना चाहिए। गांव में पुरुषों और महिलाओं के स्वयंसहायता समूहों का गठन होना चाहिए। उनके माध्यम से बचत को हर तरह से प्रोत्साहित करना चाहिए। महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में आगे आने के अवसर मिलने चाहिए और उन्हें इसके लिए पूर्ण सुरक्षा की स्थिति भी मिलनी चाहिए। महिला-विरोधी हिंसा और यौन हिंसा को समाप्त करने को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। महिला जागृति समितियों का गठन होना चाहिए। महिला किसानों को किसान के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए। पति-पत्नी का मिल कर भूमि स्वामित्व होना चाहिए। दहेज प्रथा समाप्त होनी चाहिए। अश्लील सामग्री के प्रसार को रोकने के उपाय होने चाहिए।

सभी गांवों में महिलाओं के नेतृत्व में नशा-विरोधी समितियों का गठन होना चाहिए और शराब सहित हर तरह के नशे की न्यूनतम करने के प्रयास निरंतरता से होने चाहिए। गांवों में शराब के ठेके नहीं खुलने चाहिए और जो पहले से हैं उन्हें हटाना चाहिए। समाज-सुधार समितियां बना कर सब तरह के भेदभाव को गांव में समाप्त करना चाहिए और धर्म, जाति के भेदभाव मिटा कर सब के मेलजोल और सद्भावना को मजबूत करना चाहिए। परस्पर सहयोग से गांव के सामाजिक कार्य आगे बढ़ने चाहिए। एक-दूसरे के त्यौहारों-पर्वों में भागेदारी करने चाहिए और ऐसे मौकों पर सामान्यतः भी गांवों के परंपरागत कलाकारों को प्रोत्साहित करना चाहिए। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, उसमें नैतिकि ाक्षा का समावेश करने, अच्छी शिक्षा सब तक पहुंचाने और सरकारी स्कूलों को बेहतर करने के प्रयासों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। पंचायत स्तर पर ही सभी सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज की क्षमता वाला स्वास्थ्य केंद्र होना चाहिए। बीमारियों और स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम के प्रयासों को इसे विशेष महत्त्व देना चाहिए। विश्व के अति गंभीर हो चले पर्यावरणीय संकट के समाधान के लिए ग्रामीण सभ्यता को बचाना आवश्यक है। यह पर्यावरणीय संकट ग्रामीण सभ्यता की रक्षा के बिना हल नहीं हो सकता है, और भारत जैसे अभी तक ग्राम-प्रधान बने हुए बड़े देश की इस प्रयास में महत्त्वपूर्ण भूमिका रहेगी कि एक ग्रामीण सभ्यता के माध्यम से पर्यावरण के गंभीर संकट का समाधान प्राप्त किया जाए।

समाजसेवा की मशाल को बुझने नहीं देंगे:देवेंद्र बंसल

रोटरी क्लब भरतियाग्राम (3100) के स्थापना समारोह में देवेंद्र को अध्यक्ष और विशाल को सेक्रेट्री का जिम्मा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- रोटरी क्लब भरतियाग्राम (3100) का स्थापना समारोह धूमधाम से मनाया गया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नितिन अग्रवाल ने वर्ष 2025-26 के लिए अध्यक्ष देवेंद्र बंसल एवं सेक्रेट्री विशाल गौरव को कॉलर पहनाए। निवर्तमान अध्यक्ष सुनील दीक्षित ने बीते वर्ष की उपलब्धियों की बिंदुवार जानकारी दी। वहीं नए अध्यक्ष देवेंद्र बंसल ने सदस्यों की मदद से क्लब को ऊंचाइयों तक ले जाने और समाजसेवा की मशाल को अनवरत जलाए रखने की बात कही। गजरौला में हाईवे किनारे स्थित होटल सुखदेव गजरौला में रोटरी क्लब भरतियाग्राम की इंस्टालेशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नितिन बंसल ने क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के संग दीप प्रज्जवलित कर इसका शुभारंभ किया। क्लब के कोषाध्यक्ष डा.सैय्यद बिलाल अली के पुत्र सैय्यद बिलाल अली के साथ ही जुबिलेंट में कार्यरत अधिकारियों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। मुख्य अतिथि नितिन अग्रवाल ने सभी को चांदी के सिक्के, पारितोषिक एवं उपहार भेंटकर उनका उत्साहवर्धन दिया। उन्होंने रोटरी इंटरनेशनल संस्था की स्थापना से लेकर कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रोटरी की शपथ भी दिलाई। क्लब के निवर्तमान अध्यक्ष एवं जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि क्लब ने पर्यावरण, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, क्षय रोग नियंत्रण, स्वास्थ्य, वृद्धजनों की सेवा समेत समाजसेवा के क्षेत्र में काफी उपलब्धि हासिल की है। क्लब के नए अध्यक्ष एवं जुबिलेंट एग्री एंड कन्ज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड में यूनिट हेड देवेंद्र बंसल ने कहा कि वह समाजसेवा की इस मशाल को बुझने नहीं देंगे। उनकी पत्नी संजुल बंसल ने भी क्लब की गतिविधियों के संबंध में बताया। कार्यक्रम में पदाधिकारियों के कॉलर भी बदले गए। साथ ही बच्चों के क्लब जुबिलेंट मिनी रोट्रक्ट क्लब का भी गठन किया गया। इस मौके पर असिस्टेंट गवर्नर डा. सरल, राजीव अग्रवाल, अर्पण गुप्ता, डा. सुजिंदर फोगाट, शिव कुमार गोयल, रविंद्र झा, सुनील ए सिंह, डा.नितिन राय,पुनीत गुप्ता, ममता गुप्ता, प्रतीक माहेश्वरी आदि भी मौजूद रहे।

बूथ संख्या 59 पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में हसनपुर मंडल के बूथ संख्या 59 पर बड़े उत्साह और जोश के साथ सुनी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आदर्श नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी एवं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता महेश खड़क बंशी उपस्थित रहे। राजपाल सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज मन की बात में जो विचार देश की प्रगति और जनभागीदारी पर रखे, वे हम सबके लिए प्रेरणादायी हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश गुप्ता एवं अतुल गर्ग,आईटी संयोजक अर्पण गुप्ता,भाजपा नेता विक्रांत शर्मा, जिला कार्यकारिणी सदस्य सचिन गुप्ता,पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय सहदेव,इशांत सैनी,अमित राणा, सभासद राजपाल सैनी,निशु अग्रवाल,पप्पू वाल्मीकि,संजीव सैनी, राकेश सैनी, शक्ति केंद्र संयोजक विजय लोधी,बूथ संख्या 59 अध्यक्ष राहुल प्रजापति,अरुण त्यागी, कृष्ण कुमार, सौरभ सैनी, अंकुर प्रजापति, चंकी सहदेव, आकाश, राजा सहदेव, उमेश कुमार, विपिन प्रजापति, इशांत चौहान, पूरण सैनी, शुभम, सागर, इंद्रपाल प्रजापति, अजय प्रजापति, शिवा प्रजापति, जीत ठाकुर, जय दक्ष सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी। यह कार्यक्रम कार्यकताओं में नई ऊर्जा और देशहित में योगदान देने की प्रेरणा लेकर आया।

प्रतियोगिताओं के आयोजन से बच्चों की प्रतिभा निखरती है:- इन्द्रेश देवी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरी:- चौधरी टी.आर मेमोरियल पब्लिक स्कूल में पंजाब नेशनल बैंक इंश्योरेंस कंपनी द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के प्रस्तुति पत्र का वितरण समारोह आयोजित हुआ। जिसमें लगभग 30 छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। जिसमें स्पेशल प्राइज कक्षा 6 की मिस्बाह व मायदा चौधरी पुत्री जावेद चौधरी को दिया गया। सभी बच्चे पुरस्कार पाकर प्रसन्न दिखाई दिए। इस अवसर पर जावेद चौधरी (पत्रकार) मुख्य अतिथि के रूप में रहे, और अंग्रेजी भाषा में स्कूल की पढ़ाई, मैनेजमेंट, और वातावरण के बारे में बात कही। और कहा कि आज के इस वक्त में यह स्कूल अपने आप में तारीफ ए काबिल है, और इस स्कूल ने शोहरत, कामयाबी व पढ़ाई के झंडे गाड़ दिए है। चमन लाल सैनी, प्रिंसिपल नरेंद्र पाठक व प्रबंधिका इन्द्रेश देवी इन लोगो कि दिन रात कि कड़ी मेहनत और लगन से आज के वक़्त में यह स्कूल लोगो के दिलो में अपनी छाप बना रहा है। विद्यालय की प्रबंधिका इंद्रेश देवी ने सभी बच्चों को पुरस्कार वितरण किये। प्रधानाचार्य नरेंद्र पाठक ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य बच्चों की चहु मुखी प्रतिभा को निखारना है। इस अवसर पर कविता शर्मा, अंजू चंद्रा, कुमारी तहरिम, आर. एस. राणा, समस्त स्टाफ व लाखों की तादाद में लोग मौजूद रहे।

पहले नाबालिग से फेसबुक पर दोस्ती, फिर दुष्कर्म, फिर शादी, अब कर रहे दहेज की मांग

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली निवासी एक युवक ने पहले तो फेसबुक पर एक नाबालिग युवती से दोस्ती की ,फिर उसे अपने माता पिता से मिलवाने के बहाने घर बुला बुला लिया जिसके बाद नाबालिग युवती को नशीली कोल्डड्रिंक देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान युवक ने अश्लील वीडियो व फोटो बना लिए। पीड़िता के के द्वारा थाने जाने की बात कहने पर आरोपी के माता पिता द्वारा शादी का वादा किया गया। बता दें कि नगर कोतवाली निवासी एक युवक ने फेसबुक के जरिए पहले तो रजबपुर थाना क्षेत्र की एक नाबालिग युवती को प्रेम जाल में फंसा लिया। बाद में उसे अपने माता-पिता से मिलवाने के बहाने घर बुलाया और नशीली कोल्डड्रिंक देकर उसके साथ दुष्कर्म किया व अश्लील वीडियो क्लिप बना लिए। कुछ समय बाद पीड़िता गर्भवती हो गई। गर्भवती होने की जानकारी मिलने पर आरोपी और उसके परिवार वालों ने मिलकर उसका गर्भपात करा दिया व शादी से इन्कार कर दिया। इस पर पीड़िता ने गजरौला थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया। जिसके बाद युवक ने मुकदमे बाजी से बचने के लिए पीड़िता से शादी कर ली। शादी करने के बाद युवक ने युवती से अपने पक्ष में कोर्ट में बयान करा दिये। बयांन करने के बाद आरोपी और उसके परिवार वालों ने पीड़िता से कहा कि शादी सिर्फ मुकदमे बाजी से बचने के लिए की गई है। इस दौरान उन्होंने पीड़िता से दहेज में 20 लाख रुपए की मांग कर दी,मांग पूरी ना होने पर उन्होंने पीड़िता को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट की, 12 फरवरी को आरोपियों ने पीड़िता को घर से बाहर निकाल दिया। इस दौरान न्याय के लिए भटक रही पीड़िता ने रजबपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है जिस पर पुलिस ने युवक और उसके माता पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

राज्य मंत्री ने किया कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय गजरौला का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र० शासन एवं प्रभारी मंत्री के०पी० मलिक के द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय गजरौला का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं ने उनका स्वागत सरस्वती वंदना। स्वागत गीत कर किया। इस अवसर पर बालिकाओं ने एक लघु नाटक लिंग भेद पर भी प्रस्तुत किया। विद्यालय में कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली बालिकाओं को इन कार्यक्रमों को करने के लिए बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी। विद्यालय में अध्यनरत 200 बालिकाओं के सापेक्ष 190 बालिकाएं उपस्थित मिली, विद्यालय के समस्त व्यवस्थाएं शिक्षण कार्य ,भोजन व्यवस्था, साफ सफाई व्यवस्था आदि अच्छी पाई गई। मंत्री ने विद्यालय में अध्यनरत बालिकाओं के साथ वातार्लाप की एवं बालिकाओं को पढ़ाई करके महिला सशक्तिकरण एवं आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित किया उन्होंने बताया आज की बालिकाएं सभी क्षेत्रों में आगे हैं हमारे जनपद की जिलाधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, उप जिलाधिकारी आदि सभी विभाग में महिला अधिकारी ही कार्यरत है जो जनपद को आगे बढ़ने का कार्य कर रही है आप सभी बालिकाएं भी अच्छी गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्राप्त करके देश को प्रदेश को आगे बढ़ा सकते हैं। विद्यालय की पांच उत्कृष्ट बालिकाओं को पुरस्कृत किया तथा विद्यालय में 10 बालिकाओं को दैनिक उपयोग सामग्री उपलब्ध कराई। विद्यालय की बालिकाओं के द्वारा सोलर इनवर्टर सिस्टम की मांग मा0 मंत्री के द्वारा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित नगर पालिका चेयरमैन गजरौला के द्वारा विद्यालय को उक्त सामग्री दिए जाने का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी गजरौला आरती गुप्ता, खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय भारत भूषण, जिला संबंधित बालिका शिक्षा मनोज कुमार जिला समन्वयक प्रशिक्षण प्रशांत कुमार , वॉर्डन मीनाक्षी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

समूह से समृद्धि की ओर सीसीएल स्वीकृति वितरण कैंप का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकास खण्ड अमरोहा कार्यालय स्थित सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह को बैंकों से ऋण उपलब्ध कराने को लेकर समूह से समृद्धि की ओर सीसीएल स्वीकृति वितरण कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ओर जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी मौजूद रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने मां सरस्वती की स्मृति पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर बैंक सखी, समूह सखी, आजीविका सखी, स्वास्थ्य सखी, सीएलएफ ओर ग्राम संगठन के पदाधिकारी एवं अन्य सदस्य के द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर समूह के विभिन्न केंडरो की 250 से अधिक दीदियां उपस्थिति रही। सीसीएल कैंप में जिले में सर्वाधिक 119 फाइनलो को बैंक मैनेजर द्वारा स्वीकृत किया गया। जो बैंक की सफलता को दशार्ता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रथमा बैंक के शाखा प्रबंधक अंकुर यादव , उत्तर प्रदेशीय ग्रामीण बैंक के प्रबंधक अंकुश खन्ना, शाखा प्रबंधक नरेंद्र सिंह साथ ही पूनम बैंक सखी , पूजा रानी, चांदनी उत्कृष्ट करने वाली तीन बैंक सखियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी नीरज कुमार गर्ग, एडीओ आईएसबी गौरव गंदर्भ, एलडीएम उमेश कुमार प्रजापति, बीएमएम शीतल, मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

नियम विरुद्ध कार्य करने पर प्रमुख सचिव महिला कल्याण ने तीन सदस्यों की सेवाएं की समाप्त

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में बाल कल्याण समिति में कार्य कर रहे आलोक मंजू शर्मा, ज्योति मेहरोत्रा, हेमराज सिंह के द्वारा कार्य में नियम विरुद्ध कार्य करने पर प्रमुख सचिव महिला कल्याण उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा तीनों सदस्यों की सेवाएं समाप्त की गई है। आरोप है कि जिलाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई आख्या की दृष्टिगत किशोर न्याय (बालकों की देखरेख को संरक्षण) अधिनियम 2015 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए बालक अभिनव को उसकी माता रचना देवी से लेकर बालक की दादी कमला देवी को सुपुर्द किए जाने के प्रकरण में नाम विरुद्ध कार्य किया गया। प्रकरण को ध्यान में रखते हुए किशोर न्याय अधिनियम 2015 के नियम 27 (7) में विहित प्राविधानों में मंजू शर्मा, ज्योति मेहरोत्रा, हेमराज सिंह को बाल कल्याण समिति अमरोहा में सदस्यों के पद पर की गई उनकी नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया गया।

बंद पड़े मकान को चोरों ने बनाया निशाना, नगदी सहित हजारों के माल पर किया हाथ साफ

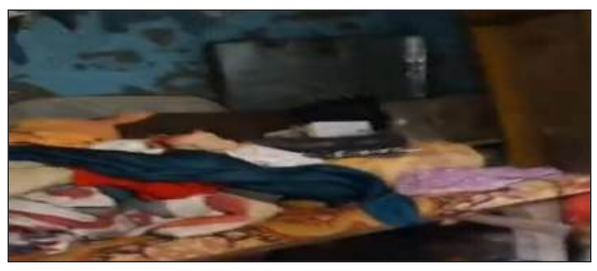

गजरौला/अमरोहा (काविंद्र सिंह):- कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में चोरों ने एक बंद पड़े को मकान को निशाना बनाते हुये हजारो का माल साफ कर दिया। पीड़ित ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मामले में प्राप्त जानकारी में गजरौला कोतवाली क्षेत्र के गांव तिगरी निवासी सरफुद्दीन ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिये बिजनौर गया था। घर पर कोई नहीं था। जैसे ही सरफुद्दीन घर आया तो दिवार में कूमल देखकर दंग रह गया। सरफुद्दीन ने बताया कि रात्रि में किसी समय चोरों ने दिवार का कूमल काटकर घर में रखे 8000 रुपये की नकदी, ओर सोने चांदी के जेवरात साफ कर दिये।पीड़ित ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का मुआयना किया। और मामले की जांच कर रही है। वहीं पुलिस का कहना

मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले दो पुलिसकर्मी सहित कुल 06 अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से 1340 ग्राम सफेद नशीला पाऊडर-स्मैक (अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपये) , 05 मोबाइल फोन, 3490/- रुपये नकद एवं वैगनार कार बरामद

सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना):- थाना पुलिस व एसओजी सर्विलांस टीम द्वारा मादक पदार्थ के साथ तस्करी करने वाले दो पुलिसकर्मी सहित कुल 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से 1340 ग्राम सफेद नशीला पाऊडर-स्मैक (अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपये), 05 मोबाइल फोन, 3490/- रुपये नकद एवं वैगनार कार बरामद कि गई है। पुलिस के अनुसार अभियुक्तगण से पूछताछ पर जानकारी हुई कि अभियुक्त नाजिम, 01 नाबालिग, गौरव, आदिल आपस में दोस्त थे । अभियुक्त गौरव के दोस्त नितिन पुत्र चन्द्रपाल निवासी ढबारसी ने गौरव को बताया कि उसके मित्र मयंक यादव पुत्र अशोक कुमार निवासी ग्राम सांथलपुर के पास स्मैक है, जिसे बेचकर अच्छा पैसा कमाया जा सकता है। गौरव द्वारा यह बात नाजिम व अन्य साथियों को बात बतायी गयी। नाजिम द्वारा अपनी पहचान के पुलिस चौकी ढबारसी पर तैनात आरक्षी योगेश कुमार व आशु सैनी के साथ मिलकर इनकी मदद से इस स्मैक को छीनने की योजना बनायी गयी। दिनांक 19.07.2025 को मयंक यादव से स्मैक लेने गौरव , नाजिम व अन्य साथी पहुंचे । जैसे सौदा हो रहा था, दोनों आरक्षी योगेश व आशू सैनी वर्दी में पहुँच गए । पुलिस की दबिश समझ कर अफरा तफरी में मयंक यादव और उसके साथ आए 3-4 लोग वहां से भाग गए। तब से यह मादक पदार्थ इनके पास था और इसको बेचने के प्रयास में थे। गिरफ्तार अभियुक्त इस स्मैक को लेकर योगेश की वैगनार कार मे बेचने के लिए दिल्ली एन.सी.आर क्षेत्र मे जा रहे थे । माल को बेचने के बाद जो भी रुपये मिलते उसे आपस मे बांट लेते । थाना सैदनगली पुलिस एवं एसओजी/सर्विलांस टीम द्वारा उझारी ढबारसी रोड पर गंगा एक्सप्रेसवे पुल के नीचे से चैकिंग के दौरान वैगानार रजि0न0 उ्छ 43 अर 0701 सवार कुल 06 अभियुक्तों गौरव कुमार पुत्र मदन सिंह (उम्र करीब 19 वर्ष) निवासीगण ग्राम सांथलपुर अधेक थाना आदमपुर, नाजिम पुत्र आस मौहम्मद (उम्र करीब 25 वर्ष) निवासी ग्राम गारापुर, आदिल पुत्र युसूफ (उम्र करीब 21 वर्ष) निवासी ग्राम फूलपुर थाना रहरा, नाबालिग (उम्र करीब 17 वर्ष), आरक्षी योगेश कुमार पुत्र ओमप्रकाश गौतम (उम्र करीब 25 वर्ष) निवासी कस्बा जहांगीरपुर थाना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर वर्तमान तैनाती चौकी ढबारसी थाना आमदपुर व आरक्षी आशु सैनी पुत्र जयपाल सिंह (उम्र करीब 30 वर्ष) निवासी बहरामगढ थाना भोराकलां जनपद मुजफ्फरनगर वर्तमान तैनाती चौकी ढबारसी थाना आदमपुर को मय 1340 ग्राम सफेद नशीला पाऊडर-स्मैक (अनुमानित कीमत करीब 40 लाख), 05 मोबाइल फोन, 3490/- रुपये नकद एवं वैगनार कार सहित गिरफ्तार किया गया । खबर लिखे जाने तक गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना सैदनगली पर मु0अ0सं0-225/25 धारा 8/21/29 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।

एससी-एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन का शपथ समारोह एवं जिला कार्यकारिणी का विस्तार

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के गजरौला में स्थित एक निजी बैंकट हॉल में एससी-एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा एक भव्य शपथ समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन की जिला कार्यकारिणी का विस्तार भी किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मंडी धनौरा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के विधायक राजीव तरारा उपस्थित रहे। उन्होंने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष करतार सिंह और जिला मंत्री जगबीर सिंह को पद की शपथ दिलाई। इस आयोजन में शिक्षकों के कल्याण, उनके अधिकारों और सामाजिक उत्थान के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को दोहराया गया। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष करतार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन शिक्षकों के हितों के लिए निरंतर कार्य करेगा और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान में योगदान देगा। वहीं, जिला मंत्री जगबीर सिंह ने शिक्षकों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया। भाजपा विधायक राजीव तरारा ने अपने संबोधन में संगठन के प्रयासों की सराहना की और कहा कि शिक्षक समाज का आधार हैं। उन्होंने सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया, जिसमें स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं का विकास, शिक्षकों के प्रशिक्षण, और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वह शिक्षकों की समस्याओं को विधानसभा में उठाएंगे और उनके कल्याण के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। इस अवसर पर कई अन्य गणमान्य व्यक्ति, शिक्षक, और संगठन के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यकारिणी के अन्य पदों पर भी नियुक्तियां की गईं, और सभी नवनिर्वाचित सदस्यों ने संगठन के उद्देश्यों को पूरा करने की शपथ ली।

कृषि अधिकारी ने सभी किसानों से की अपील, आलू और सरसों की फसलों में उर्वरकों का संतुलित मात्रा में करें उपयोग

अमरोहा (सब का सपना):- जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने शनिवार को जानकारी दी कि जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। वर्तमान में जनपद में 9953 मीट्रिक टन यूरिया, 1777 मीट्रिक टन डीएपी, और 4407 मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। कृषि अधिकारी ने सभी किसानों से अपील की है कि वे आलू और सरसों की फसलों में उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें ताकि मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और फसल उत्पादकता बनी रहे। इसके लिए प्रति एकड़ उर्वरक की संस्तुत मात्रा निम्नलिखित है। सरसों के लिएः एनपीके (70 किग्रा (1.5 बैग) यूरियाः 75 किग्रा (1.5 बैग) डीएपीः 50 किग्रा (1 बैग) एमओपीः 20 किग्रा (0.5 बैग) आलू के लिएः एनपीकेः 90 किग्रा (2 बैग) यूरियाः 100 किग्रा (2 बैग) डीएपीः 70 किग्रा (1.5 बैग) एमओपीः 40 किग्रा (1 बैग) उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे किसानों की जोत और फसल की संस्तुति के आधार पर ही उर्वरक बेचें। इसकी अनुपालना के लिए लगातार निरीक्षण किए जा रहे हैं। नियमों का उल्लंघन, जैसे अधिक बिक्री, ओवररेटिंग, टैगिंग, कालाबाजारी, या अभिलेखों की कमी पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी की जिद्द के आगे झुका उसका पति, बेरंग होकर खाली हाथ लौटा

चन्दौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- एक मामला थाना सम्भल का ऐसा आया जहां लड़के की शादी को एक साल ही हुआ था लड़का एक होटल में पंजाब में कार्य करता है और वो शादी के उपरांत अपनी पत्नी को अपने साथ लेकर पंजाब चला गया था। जहां से उसकी पत्नी बिना बताए घर छोड़कर चली गई जिसकी सूचना उसने सम्बंधित थाना में दर्ज कराई और पुलिस की मदद से अपनी पत्नी को ढूंढा और अपने गांव छोड़कर पुनः पंजाब चला गया उसकी पत्नी बिना बताए बहा से अपने बहनोई के पास जिला मुरादाबाद के पास पहुंच गई। लड़का को उसके जाने की सूचना मिली तो वो पंजाब से वापिस आया और अपनी पत्नी को ढूंढने लगा पता चला की वो अपने बहनोई के पास है जब वो उसे बुलाने गया तो उसकी पत्नी ने उसके साथ आने से साफ इंकार कर दिया और अपने बहनोई के साथ ही अपना जीवन बिताने की बात करने लगी मजबूर होकर उसने इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई से की उन्होंने मामले को पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र भेज दिया जहां विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट ने दोनों को काफी समझाने का प्रयास किया परन्तु लड़की अपनी जिद पर अड़ी रही और बोली यदि मुझे जवरदस्ती बुलाकर ले गए तो मैं मर जाऊंगी। मैं अपने जीजा के साथ ही अपना जीवन विताउंगी और मजबूर होकर पति ने उसको उसके जीजा के साथ रहने का समझौता कर लिया। उसके बाद लड़का अपनी पत्नी को उसके जीजा के घर छोड़कर अपने गाँव चला गया।

धारदार हथियार से हमला करने वाला आरोपी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुन्नौर/संभल(सब का सपना) थाना क्षेत्र में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जिस पर धारदार हथियार से हमला करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। आपको बता दें कि जनपद के थाना गुन्नौर पर महिपाल पुत्र अंतराम निवासी ग्राम गोठना थाना गुन्नौर जनपद संभल ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि रवींद्र उर्फ कुलदीप पुत्र कमल सिंह निवासी ग्राम गोठना थाना गुन्नौर ने धारदार हथियार लेकर जान से मारने की धमकी देते हुए हमला कर दिया था शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी 30 अगस्त को गुन्नौर पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी रवींद्र उर्फ कुलदीप को गिरफ्तार कर लिया जिस पर पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वांछित चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हयातनगर/सम्भल (सब का सपना):- जिले के थाना हयातनगर क्षेत्र में पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त सुहैल पुत्र छिद्दन, निवासी मौहल्ला कोटला सरायतरीन, थाना हयातनगर, पर वादी छिद्दन पुत्र भुल्लू की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, सुहैल ने वादी की ट्रैक्टर-ट्रॉली में अपने ट्रैक्टर से टक्कर मारी और शिकायत करने पर वादी व उनके पुत्र के साथ घर में घुसकर मारपीट की, गाली-गलौज किया तथा जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया जिसमें वांछित चल रहे अभियुक्त सुहैल को घुघावली से सरायतरीन जाने वाले रास्ते कब्रिस्तान के पास से गिरफ्तार किया गया है गिरफ्तार अभियुक्त पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

राधा अष्टमी पर धूम धाम व हर्षोल्लास के साथ निकाली गई शोभा यात्रा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- नगर में बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ राधा अष्टमी पर शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें पुरुष भक्ति में राधे-राधे के भजनों पर नृत्य कर रहे थे नगर में जगह-जगह पुष्पों से वर्षा की जा रही थी और प्रसाद का वितरण किया गया। माता संतोषी मंदिर नारायण टोला से नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू ने राधे रानी के आरती कर शोभायात्रा का प्रारंभ किया। शोभायात्रा नारायण टोला आर्य समाज रोड पुराना बाजार नया बाजार गोलागंज होती हुई अपनी गतांक पर समाप्त हुई। शोभायात्रा में विकास,हिमांशु कुमार, गौरव, राजू पंसारी, विशाल, रूपक, नवीन बाबा, प्रदीप, आशुतोष भोले,आदि उपस्थित रहे।

सोलह वर्षीय युवक की हत्या का खुलासा, प्रेम प्रसंग में उतारा मौत के घाट

बहजोई/संभल (सब का सपना) अफसर अली:- कोतवाली चंदौसी क्षेत्र में बीते मंगलवार सुबह जंगल से मिले 16 वर्षीय सुमित के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का पदार्फाश किया है, जबकि मुख्य आरोपी फरार है। मृतक की पहचान ग्राम कैथल निवासी सुमित (16) पुत्र स्व. नरेश के रूप में हुई थी, जो हाईस्कूल का छात्र था। मृतक के चाचा ने तहरीर में बताया कि सुमित 25 अगस्त की रात करीब 8 बजे घर से टहलने निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। अगले दिन सुबह उसका शव जंगल में मिला। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई के आदेश पर पुलिस ने टीम गठित कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि सुमित के प्रेम संबंध गांव के ही एक युवक सनोज की बहन से थे। इसी रंजिश के चलते सनोज ने अपने दो साथियों गोविंद पुत्र गिरिराज (18) निवासी कैथल व एक नाबालिग (16) के साथ मिलकर साजिश रची। पुलिस पूछताछ में आरोपी गोविंद व नाबालिग ने कबूल किया कि 25 अगस्त की रात उन्होंने सुमित को बहाने से जंगल बुलाया। वहां सनोज ने सुमित से कहा कि वह उसकी बहन का पीछा करना छोड़ दे। लेकिन सुमित ने कहा कि वह उसी से शादी करेगा। यह सुनते ही सनोज भड़क गया और दोनों साथियों को पकड़ने को कहा। गोविंद ने सुमित का सिर और नाबालिग ने उसके पैर पकड़े, जबकि सनोज ने दस्ताने पहनकर चाकू से उसकी गर्दन काट दी। हत्या के बाद आरोपी वहां से भाग निकले और हथियार पास के खेत में फेंक दिया। वारदात के दौरान गोविंद के हाथ पर भी चोट आई थी। घटना के बाद तीनों ने अपने परिचित प्रदीप और शेर सिंह से भी मदद मांगी थी। पुलिस ने आरोपी गोविंद और नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी सनोज की तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा की गई छापामार कार्रवाई

संभल(सब का सपना):- शनिवार को बीकानेर एक्सप्रेस रेस्टोरेंट मझावली पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा छापा मारा गया। मौके पर किचन एवं स्टोर रूम में साफ सफाई संतोष जनक नहीं पायी गई। साथ ही काजू पैकेट मार्च 2025 में एक्सपायर्ड, ऑरिगैनो पैकेट मई 2025 में एक्सपायर्ड, टॉप्स विनेगर की 12 बॉटल जो अप्रैल 2025 में एक्सपायर्ड थी भंडारित पायी गई जिनको जनहित में तत्काल नष्ट कराया गया एवं अरहर दाल में रंग की मिलावट एवं पनीर में अपमिश्रक की मिलावट के दृष्टिगत नमूना संग्रहित कर जाँच हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किया गया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम एवं नियमों के उल्लंघन के दृष्टिगत नोटिस अंतर्गत धारा 32 जारी किया गया जिसके अनुपालन ना किए जाने पर लाइसेंस निलंबीकरण की कार्यवाही की जाएगी। कार्यवाही के दौरान मानवेंद्र सिंह सहायक आयुक्त खाद्य ॥ राजीव कुमार खाद्य सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे ।

सुलह समझौता केंद्र के माध्यम से सुलझाए गए पति पत्नी के आपसी विवाद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक के.के. बिश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग महिला सेल प्रभारी इंस्पेक्टर पूनम आनंद की देखरेख में महिला थाने में संपन्न हुई।

जिसमें पति-पत्नी के मध्य जो भी आपसी विवादों का सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण करने का प्रयास काउंसलर द्वारा किया गया जहां कुल 109 पत्रावली सुनकर 27 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तथा 10 परिवार को मिलाया गया तथा 14 पत्रावलियों को न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई। एवं 3 पत्रावली में विधिक कार्यवाही करने की संतुति की गई। इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट, श्वेता गुप्ता सीमा आर्य कंचन महेश्वरी तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत ज्योति आदि लोग उपस्थित रहे।

पत्नी की जिद्द के आगे झुका उसका पति

एक मामला थाना सम्भल का ऐसा आया जहां लड़के की शादी को एक साल ही हुआ था लड़का एक होटल में थाना मधुबन जिला करनाल पंजाब में कार्य करता है और वो शादी के उपरांत अपनी पत्नी को अपने साथ लेकर पंजाब चला गया जहां से उसकी पत्नी बिना बताए घर छोड़कर चली गई जिसकी सूचना उसने थाना मधुबन में दर्ज कराई और पुलिस की मदद से अपनी पत्नी को ढूंढा और अपने गांव छोड़कर पुनः पंजाब चला गया उसकी पत्नी बिना बताए बहा से अपने बहनोई के पास ग्राम ढक्का नागलिया जिला मुरादाबाद के पास पहुंच गई लड़का को उसके जाने की सूचना मिली तो वो पंजाब से वापिस आया और अपनी पत्नी को ढूंढने लगा पता चला की वो अपने बहनोई के पास है जब वो उसे बुलाने गया तो उसकी पत्नी ने उसके साथ आने से साफ इंकार कर दिया और अपने बहनोई के साथ ही अपना जीवन बिताने की बात करने लगी मजबूर होकर उसने इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई से की उन्होंने मामले को पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र भेज दिया जहां विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट ने दोनों को काफी समझाने का प्रयास किया परन्तु लड़की अपनी जिद पर अड़ी रही और बोली यदि मुझे जबरजस्ती बुलाकर ले गए तो में मर जाऊंगी मैं अपने जीजा के साथ ही अपना जीवन बताऊंगी और मजबूर होकर पति ने उसको उसके जीजा के साथ रहने देने का समझौता कर लिया और अपनी पत्नी को उसके जीजा के घर छोड़ने ले कर चला गया।

देश में पर्यावरण प्रदूषण की समस्या के लिए प्रत्येक नागरिक को एक पौधे को लगाने का संकल्प लेना चाहिए- रो. दीपेश गुप्ता

चन्दौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- शनिवार को रोटरी क्लब चन्दौसी अमन द्वारा राजकीय चिकित्सालय स्टेशन रोड पर भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला चिकित्साधिकारी डॉ. श्री तरुण पाठक ने अपने करकमलों से पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सी एम ओ ने बोलते हुए कहा कि आज पर्यावरण प्रदूषण की बढ़ती समस्या को देखते है सभी को पौधारोपण करने का संकल्प लेना चाहिए क्योंकि हमें अपने बच्चों और आगे की पीढ़ी के भविष्य के लिए प्रत्येक नागरिक को एक पौधा लगाने का संकल्प लेना चाहिए पौधे का रोपण करने के बाद उसकी देख भाल करना अत्यंत जरूरी है। जिससे पौधे की सुरक्षा से ही आपका संकल्प पूरा होता इसके साथ ही वृक्षारोपण के लिए जन जागरूक अभियान भी चलाए जिससे आमजन वृक्षारोपण के लिए जागरूक हो सके। वृक्षारोपण के उपरांत क्लब द्वारा 11वाँ निःशुल्क भोजन वितरण किया गया। जिसमें मरीजों व उनके परिजनों को भोजन कराया गया। रोटरी क्लब अमन अध्यक्ष रो. दीपेश गुप्ता, सचिव रो. राहुल अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष रो. अविनाश गोयल ने सभी सदस्यों एवं अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब अमन के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने वृक्षारोपण एवं भोजन वितरण के महत्व पर अपने विचार रखे तथा सामाजिक सेवा के प्रति संकल्प दोहराया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मनाया ओणम, बोलीं- हर घर में शांति, समृद्धि और सुख लाए यह पर्व

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर ओणम पर्व मनाया। इस बीच सीएम ने ओणम मनाते हुए महिलाओं के एक समूह के साथ नृत्य भी किया। ओणम दस दिनों का एक भव्य उत्सव है जो राजा महाबली की पौराणिक वापसी और केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव कहा जाता है। इस वर्ष यह पर्व मंगलवार 26 अगस्त से शुक्रवार 5 सितंबर तक मनाया जाएगा। ओणम सौहार्द, समृद्धि और कृतज्ञता का शाश्वत पर्व है। एक ऐसा अवसर जो हृदय को आनंद और एकता के बंधन में जोड़ता है। आज मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में ओणम उत्सव की उल्लासपूर्ण झलक देखने को

मिली। सभी को ओणम की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह पर्व हर घर में शांति, समृद्धि और सुख लेकर आए। उन्होंने इस संबंध में अपने इंटरनेट मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'ओणम सौहार्द, समृद्धि और कृतज्ञता का शाश्वत पर्व है। एक ऐसा अवसर जो हृदय को आनंद और एकता के बंधन में जोड़ता है। आज मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में ओणम उत्सव की उल्लासपूर्ण झलक देखने को मिली। सभी को ओणम की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह पर्व हर घर में शांति, समृद्धि और सुख लेकर आए।' इस दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने केरल की सांस्कृतिक वेष-भूषा में आए कलाकारों का स्वागत करते हुए उनके साथ खुशियां बाटीं। साथ ही, मुख्यमंत्री के साथ पर्व मनाते हुए कलाकारों ने भी खुशी जाहिर की। इस दौरान पर्व की प्रमुखता के अनुसार, फूलों से सजे पुष्पकम बनाए गए थे। केरल की पारंपरिक वेशभूषा में बच्चों के साथ नृत्य प्रदर्शन का आनंद लिया। अपने संबोधन में, रेखा गुप्ता ने कहा, 'ओणम एकता और समृद्धि का प्रतीक है। दिल्ली में सभी संस्कृतियों का सम्मान हमारी ताकत है।' उन्होंने दिल्लीवासियों को ओणम की शुभकामनाएं दीं और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने आवास पर ओणम पर्व मनाया। उन्होंने महिलाओं के साथ नृत्य किया। ओणम दस दिनों तक चलने वाला केरल का एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो राजा महाबली की वापसी और केरल की संस्कृति का प्रतीक है। इस साल यह पर्व 26 अगस्त से 5 सितंबर तक मनाया जा रहा है।

राधा अष्टमी के अवसर पर गणपति विसर्जन, जयकारों से गूंजा नरोरा घाट

बहजोई/संभल(सब का सपना):- गणेश उत्सव का उल्लास रविवार को चरम पर दिखा, जब पांचवे दिन भक्तों ने गणपति बप्पा का विसर्जन नरोरा घाट पर किया।बहजोई के बम्बा रोड, काली मंदिर से गणपति बप्पा के जयकारों के साथ भक्त गणेश प्रतिमा के साथ नरोरा घाट को प्रस्थान हुए "गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ" के गगनभेदी जयकारों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। महिलाओं और बच्चों ने फूल और गुलाल बरसाकर बप्पा को विदा किया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर श्रद्धालु झूम उठे।

विसर्जन से पहले आरती उतारी गई और परिवार व समाज की खुशहाली के लिए प्रार्थनाएं की गईं। भीड़भाड़ के बावजूद कार्यक्रम शांति और श्रद्धा से सम्पन्न हुआ। पांचवे दिन का यह विसर्जन श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम रहा, जिसमें भक्तों ने भावुक होकर अगले बरस बप्पा के फिर से आने की कामना की। इस अवसर पर प्रमोद कुमार, विकास सक्सेना, अनुज,यश, कार्तिकेय, विनायक,रुद्रा,इति, सीमा शोभा, शीला देवी, स्वीटी, तेजल, अन्वी, तन्वी आदि काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दिल्ली में टला बड़ा हादसा, प्लेन के इंजन में लगी आग, 30000 फीट ऊंचाई पर अटकीं यात्रियों की सांसें

दिल्ली : दिल्ली से इंदौर जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट को रविवार को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। विमान के दाहिने इंजन में आग लगने का संकेत मिलने के बाद यह फैसला लिया गया। घटना के बाद पायलट की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया और सभी 180 यात्री और क्रू सुरक्षित हैं। टेक-ऑफ के तुरंत बाद कॉकपिट क्रू को दाहिने इंजन से संबंधित फायर अलर्ट मिला। स्टैंडर्ड सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए क्रू ने तुरंत इंजन को बंद कर दिया और विमान को सुरक्षित रूप से दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस उतार लिया। सभी यात्री और क्रू सुरक्षित एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि विमान को फिलहाल ग्राउंड कर दिया गया है और उसकी तकनीकी जांच चल रही है। यात्रियों को इंदौर भेजने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई है जो जल्द ही उड़ान भरेगा।

दिल्ली में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़, नंदू गैंग के दो शार्पशूटर गिरफ्तार

दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में कुख्यात कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी जाफरपुर कलां इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई एक छोटी मुठभेड़ के बाद हुई। मुठभेड़ के दौरान दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्यों थे ये बदमाश वांछित? पुलिस के मुताबिक ये दोनों अपराधी छावला इलाके में एक व्यापारी के घर पर रंगदारी के लिए गोलीबारी करने के मामले में वांछित थे। पुलिस को इनकी तलाश थी और पुख्ता जानकारी मिलने के बाद ही यह एनकाउंटर किया गया। इस कार्रवाई से दिल्ली पुलिस ने एक बड़े आपराधिक मामले को सुलझाया है और नंदू गैंग को एक और झटका दिया है। फिलहाल दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और पुलिस उनसे आगे की पूछताछ करेगी।

दिल्ली में खतरे के निशान से ऊपर बह रही यमुना, बाढ़ की चेतावनी के बीच 5 सितंबर तक बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में बारिश होने और हथनी कुंड से अधिक मात्रा में पानी छोड़े जाने से दिल्ली में पिछले कई दिनों से बाढ़ का खतरा बना हुआ है। इस मानसून में यमुना तीसरी बार खतरे के निशान 205.33 मीटर के ऊपर पहुंच गई है। इससे प्रशानस की चिंता बढ़ गई है। निचले इलाके में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी जा रही है। पिछले कई दिनों से हरियाणा के हथनी कुंड से बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। शुक्रवार को प्रतिघंटे 60 हजार से 80 हजार क्यूसेक तक पानी यमुना में छोड़ा जा रहा था। हरियाणा की तरफ से अधिक पानी आने के कारण दिल्ली के वजीराबाद बैजार से भी पहले की तुलना में अधिक पानी छोड़ा जा रहा है। इससे लोहा पुल के पास

नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। लोगों को राहत शिविर में जाने की सलाह शुक्रवार दोपहर 12 बजे पानी 205.33 के स्तर पर पहुंच गया। शाम पांच बजे यह 205.5 मीटर के करीब पहुंच गया। इससे यमुना बाजार सहित अन्य निचले स्थानों पर लोगों के घरों में पानी भरने का खतरा बढ़ गया है। लोहा पुल के पास से शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन मार्ग पर, मयूर विहार सहित अन्य स्थानों पर राहत शिविर लगाए गए हैं। लोगों को राहत शिविर में जाने की सलाह दी जा रही है। इस मानसून में पहली बार 19 अगस्त को और उसके बाद 27 अगस्त की रात भी यमुना का पानी खतरे के निशानसे ऊपर पहुंच गया था। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। 206 मीटर पर निचले क्षेत्र को पूरी तरह से खाली करा दिया जाता है। 14 स्थानों पर नाव से बचाव दल को तैनात किया गया है। 5 सितंबर तक बारिश की चेतावनी उल्लेखनीय है कि राजधानी में में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। इस बीच, मौसम विभाग दो सितंबर तक मध्यम बारिश का पूवार्नुमान जारी किया है। साथ ही 3 सितंबर के लिए आंधी-तूफान के साथ बारिश अनुमान जताया है। वहीं, 4 और 5 सितंबर के लिए "बारिश या गरज के साथ बौछारें" का पूवार्नुमान जारी किया है।

दिल्ली में खिलाड़ियों की समस्याओं को क्यों किया जाता है नजरअंदाज? सामने आई चौंकाने वाली वजह

दिल्ली में स्वतंत्र खेल मंत्रालय न होने से खिलाड़ियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में स्वतंत्र खेल मंत्रालय न होने से खिलाड़ियों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यहां खेलों से जुड़ी सभी योजनाएँ और नीतियाँ शिक्षा विभाग के अधीन संचालित होती हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि शिक्षा विभाग की प्राथमिकता खेल नहीं, बल्कि शिक्षा संबंधी नीतियां हैं, जिसके कारण केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार, दोनों द्वारा लाई गई नई खेल नीतियों और योजनाओं का क्रियान्वयन ठीक से नहीं हो पाता । जब कोई भी नीति या योजना समय पर जमीनी स्तर पर लागू नहीं होती, तो सबसे बड़ा नुकसान उन्हें ही उठाना पड़ता है। छात्रवृत्ति, प्रशिक्षण सुविधाएँ, आधुनिक उपकरण, मैदान और कोचिंग स्टाफ जैसी बुनियादी जरूरतें समय पर न मिलने से खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार नहीं पाते। यही वजह है कि राजधानी जैसे बड़े शहर के खिलाड़ी अक्सर राष्ट्रीय स्तर पर पिछड़ जाते हैं। दिल्ली में खेल मंत्रालय न होने से खिलाड़ियों की समस्याएं सीधे

सरकार तक नहीं पहुंच पातीं। विभागीय अधिकारी खेल संबंधी मुद्दों को उतनी गंभीरता से नहीं लेते जितनी जरूरत है। कई बार खिलाड़ियों को छोटी-छोटी बातों के लिए भी महीनों चक्कर लगाने पड़ते हैं। नतीजतन, कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी बीच में ही हार मानकर अपना खेल करियर छोड़ देते हैं। दिल्ली के सुशांत ने कहा कि स्वतंत्र खेल मंत्रालय बनने से खिलाड़ियों की समस्याएं सीधे संबंधित अधिकारियों और मंत्रियों तक पहुंच सकेंगी। इससे खिलाड़ियों को समय पर छात्रवृत्ति, खेल सुविधाएं और प्रशिक्षण शिविर उपलब्ध कराना आसान हो जाएगा। साथ ही, इससे खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में भी मदद मिलेगी। राष्ट्रीय स्तर पर एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले तुषार मन्ना ने कहा कि खिलाड़ियों के सामने सबसे बड़ी समस्या तब आती है जब उन्हें प्रायोजक ढूंढना पड़ता है। दिल्ली में खेल मंत्रालय न होने के कारण प्रायोजक तक पहुंचना बहुत मुश्किल हो जाता है। अगर मंत्रालय होता, तो खिलाड़ियों की आवाज सीधे सरकार तक पहुंचती। साथ ही, खिलाड़ी राज्यों को छोड़ने को मजबूर होते हैं। दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार ने छात्रवृत्ति योजना भी शुरू की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अलग खेल मंत्रालय बनाना दिल्ली सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। यह निर्णय केवल गृह मंत्रालय के अधीन है। सूद ने कहा कि हमारी प्राथमिकता खिलाड़ियों के लिए एक मजबूत माहौल तैयार करना है ताकि वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया कि खिलाड़ियों को सुविधाएं, संसाधन और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। सूद ने कहा कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा इनामी राशि भी दे रही है। एथलेटिक्स कोच अमरजीत का मानना है कि दिल्ली के खिलाड़ियों की प्रतिभा किसी भी अन्य राज्य से कम नहीं है, लेकिन खेल मंत्रालय न होने के कारण न तो योजनाएँ बन पाती हैं और न ही खेलों का दीर्घकालिक विकास हो पाता है। कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिल्ली छोड़कर हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों का रुख करने को मजबूर हैं।

शिक्षा विभाग के अधीन खेल होने से नीतियों का क्रियान्वयन ठीक से नहीं हो पाता जिससे खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति और प्रशिक्षण जैसी सुविधाओं में कमी आती है। खिलाड़ियों का कहना है कि मंत्रालय होने से उनकी आवाज सरकार तक पहुंचेगी और वे बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

दिल्ली पुलिस का पहाड़गंज में शराब तस्करों पर शिकंजा, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। पहाड़गंज थाने की टीम ने अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शनिवार रात अलग-अलग होटलों और रेस्टोरेंट में छापेमारी कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 150 से ज्यादा शराब की बोतलें बरामद की गई हैं। जब्त की गई शराब में सिर्फ.हरियाणा में बिकने वाली बीयर, व्हिस्की और कैन शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर पहाड़गंज थाने की टीम ने इलाके में कई जगहों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान, पहले मामले में फरीदाबाद (हरियाणा) निवासी शाहनवाज को पकड़ा गया। उसके पास से 14 बोतल बीयर, 10 कैन और 8 बोतल व्हिस्की बरामद की गई। दूसरे मामले में, बिहार के किशनगंज निवासी मोहम्मद रिहान आलम को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से 41 बीयर और 10 बोतल व्हिस्की बरामद की गई। तीसरी छापेमारी में इसी ज़िले के संजय आलम को पकड़ा गया, जिसके पास से 23 बीयर, 37 कैन और 9 बोतल व्हिस्की बरामद की गई। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है और अवैध शराब के धंधे में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण स्तर जस के तस पिछले 25 सालों की रिपोर्ट ने चौंकाया

नई दिल्ली। मानसून के कारण राजधानी की हवा भले ही इस समय साफ हो और पिछली आप सरकार के बाद अब भाजपा सरकार भी इसके लिए अपनी पीठ थपथपाने में पीछे नहीं है। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि साल दर साल गुजरने के बावजूद राष्ट्रीय राजधानी के वायु प्रदूषण में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। कम से कम आंकड़े तो यही बयां कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इसका मुख्य कारण जमीनी स्तर पर साल भर प्रभावी कदम न उठाना है। शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान की वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक रिपोर्ट जिन आंकड़ों पर आधारित है, वे वाशिंगटन विश्वविद्यालय के वायुमंडलीय संरचना विश्लेषण समूह से लिए गए हैं। यहां से प्राप्त 25 वर्षों (1998 से 2023 तक) के पीएम 2.5 के आंकड़े बताते हैं कि इतने लंबे समय में भी वायु प्रदूषण के स्तर में कोई खास बदलाव नहीं आया है। बस मामूली अंतर ही देखने को मिलता है। 2010-11 और 2015-16 सबसे प्रदूषित वर्ष रहे हैं। अदछकरिपोर्ट के अनुसार, जीवन प्रत्याशा में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है।

बवाना की फैक्ट्री में विस्फोट, 35 वर्षीय मजदूर की मौत, एक अन्य घायल

दिल्ली : दिल्ली के बवाना स्थित एक औद्योगिक इकाई में शनिवार को हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बवाना स्थित डीएसआईआईडीसी के सेक्टर-1 स्थित फैक्टरी संख्या बी-86 में हुई। पुलिस के मुताबिक, विस्फोट की सूचना मिलने के बाद उसकी एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की पांच गाड़ियों को लगाया गया। एक अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह सिलेंडर या कंप्रेसर में विस्फोट का मामला लग रहा है। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) हरेश्वर स्वामी ने बताया, ह्मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के निवासी नाजिम (35) के रूप में हुई है। वह घटनास्थल पर बेहोशी की हालत में मिला और अस्पताल पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया ह्व उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ निवासी एक अन्य कर्मचारी अखिलेश को मामूली चोटें आईं और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस के मुताबिक, फैक्टरी के मालिक नाजिम के पिता निजामुद्दीन (60) हैं, जो यहां पश्चिम विहार में रहते हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के संबंधित प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली के रोहिणी में डबल मर्डर से फैली सनसनी, मां-बेटी की धारदार हथियार से हत्या, दामाद पर लगा आरोप

दिल्ली : दिल्ली के रोहिणी सेक्टर 17 में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मां और बेटी की हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, इस हत्याकांड को परिवार के दामाद ने अंजाम दिया। आरोपी योगेश सहगल ने अपनी पत्नी 27 वर्षीय प्रिया और सास 63 वर्षीय कुसुम सिन्हा को कैंची से जानलेवा हमला कर मौत के घाट उतार दिया। इस डबल मर्डर की वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी है। घरेलू विवाद के चलते हुआ हत्याकांड पुलिस के अनुसार, हत्या का कारण घरेलू विवाद था। मृतक प्रिया अपनी मां के साथ रह रही थी, क्योंकि उसका अपने पति योगेश के साथ विवाद चल रहा था। आरोपी ने अपनी पत्नी और सास पर कैंची से हमला किया और दोनों की हत्या कर दी। घटना के बाद से आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने घटनास्थल से बरामद की कैंची पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल की गई कैंची को बरामद कर लिया है। क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे का असल कारण आरोपी से पूछताछ के बाद ही साफ हो सकेगा। इस मामले की गहन जांच की जा रही है और सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है।

हरियाणा के राज्यपाल ने मदर टेरेसा साकेत ऑर्थोपेडिक अस्पताल का दौरा किया

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने रविवार को पंचकूला स्थित मदर टेरेसा साकेत ऑर्थोपेडिक अस्पताल का निरीक्षण किया। उनके साथ उनकी पत्नी मित्रा घोष भी उपस्थिति रही। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल में प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों से बातचीत की।उन्होंने विशेष रूप से हड्डी रोग उपचार, पुनर्वास और आघात प्रबंधन के क्षेत्र में रोगियों की देखभाल के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए अस्पताल प्रबंधन की सराहना की। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने अस्पताल में चिकित्सा उपकरणों, बुनियादी ढाँचे और विशेषज्ञ सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली।राज्यपाल ने अस्पताल प्रशासन को आउटरीच कार्यक्रमों को और मज़बूत करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि समाज के वंचित वर्गों तक भी विशिष्ट हड्डी रोग की देखभाल पहुँच सके। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने अस्पताल प्रबंधन को समाज सेवा के उनके प्रयासों में राजभवन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के समर्पण की गहरी सराहना की।

हरियाणा के राज्यपाल प्रोफ़ेसर असीम घोष ने गुरुद्वारा नाडा साहिब में मत्था टेका

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष ने रविवार को अपनी पत्नी मित्रा घोष के साथ पंचकूला स्थित प्रसिद्ध गुरुद्वारा नाडा साहिब में मत्था टेका। राज्यपाल प्रोफसर घोष ने कहा कि ऐतिहासिक और पवित्र गुरुद्वारा नाडा साहिब के दर्शन करके उन्हें अत्यंत सम्मान और सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने गरीबों के उत्थान के लिए गुरुद्वारा प्रबंधन के प्रयासों की भी सराहना की। राज्यपाल ने इस दौरान गरीब व जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। उन्होंने प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए गुरुद्वारे को हर संभव सहायता देने का वादा भी किया। राज्यपाल घोष ने देश की सुरक्षा के लिए सिख समुदाय के साहस और सर्वोच्च बलिदान की सराहना की। गुरुद्वारा नाडा साहिब की प्रबंधन समिति ने इस अवसर पर राज्यपाल प्रोफ़ेसर असीम कुमार घोष और उनकी पत्नी मित्रा घोष को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, पुलिस उपायुक्त सृष्टि गुप्ता, हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष जगदीश सिंह झिंडा, धार्मिक नेता बलजीत सिंह दादूवाल, गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्य स्वर्ण सिंह बंगा टिब्बा, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, गुरुद्वारे के मुख्य ग्रंथी जगजीत सिंह और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

रेवाड़ी में विधायक लक्ष्मण सिंह यादव के नेतृत्व में चला सफाई अभियान

रेवाड़ी। हरियाणा स्वच्छ शहर अभियान के तहत रविवार को विधायक लक्ष्मण सिंह यादव के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान में विधायक लक्ष्मण सिंह यादव के साथ डीएमसी ब्रह्मप्रकाश व अन्य अधिकारियों ने भी आमजन के साथ मिलकर शहर की सडक़ों पर सफाई की। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने लोगो को सफाई के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा हरियाणा स्वच्छ शहर अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें आमजन की भागीदारी आवश्यक है। विधायक ने कहा कि इस अभियान में सभी सामाजिक संगठन, व्यापारिक संगठन, आम नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता मुहिम में भागीदार बन रहे हैं। इस मुहिम के तहत रेवाड़ी शहर अवश्य ही स्वच्छ शहर की सूची में शामिल होगा। उन्होंने शहर के सभी सामाजिक व व्यापारिक संगठनों से अपील की है कि वे व्यक्तिगत रुचि के साथ सफाई कार्य में जिला प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे कहीं भी खुले में कूड़ा ना फेंके, निर्धारित स्थान पर ही कूड़ा डालें। उन्होंने कहा कि यह जन अभियान है, वातावरण को साफ व स्वच्छ रखना केवल सरकार का नहीं, बल्कि समाज को साथ मिलकर चलना होगा। उपायुक्त अभिषेक मीणा ने बताया कि रेवाड़ी शहरी क्षेत्र सहित बावल व धारूहेड़ा में निरंतर 11 सप्ताह तक सफाई अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत लोगों को सफाई बनाए रखने के साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग न करने सहित पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हर पहलू पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

भाजपा सरकार ने विमुक्त घुमंतू जातियों को दिया जीने का अधिकार : सुनील

जींद। टपरीवास कालोनी में विमुक्त घुमंतू जनजाति कल्याण संघ ने रविवार को 74वां विमुक्ति दिवस मनाया। जिसकी अध्यक्षता मास्टर सुनील ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप सोम कुमार वरिष्ठ अधिवक्ता विभाग प्रचार प्रमुख (आरएसएस) मौजूद रहे। उन्होंने घुमंतू समाज के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पहले इन जातियों ने मुगलों के धर्मांतरण के खिलाफ लड़ाई लड़ी। सैन्य दृष्टि से हथियार बनाना, जासूसी करना, सैनिकों का नृत्य से मनोरंजन और गायन से उत्साह व पराक्रम वंदन, योद्धा के रूप में फिर अंग्रेजों की गुलामी के खिलाफ गोरिल्ला युद्ध के माध्यम से सीधी टक्टर ली। देश और धर्म की रक्षा के लिए अपने घरों को छोड़ दिया था। परंतु अपनी चोटी व बेटी नही दी। घुमंतू जीवन स्वीकार किया। वास्तव में घुमंतू समाज सांस्कृतिक योद्धा हैं। अंग्रेजी सरकार ने इन जातियों के खिलाफ 12 अक्टूबर 1871 को महाराष्ट्र के गोबिंद डूम पर पहली बार क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट लगा दिया था। जिसका अर्थ था कि ये जातियां जन्म से ही अपराधी हैं। विडंबना ये रही कि भारत की आजादी के पांच साल 16 दिन बाद 31 अगस्त 1952 में इस एक्ट से विमुक्त किया गया। तब से यह दिन विमुक्ति दिवस के रूप में पूरे भारत में मनाया जाता है। अनेक लोगों के नेतृत्व में इस एक्ट को खत्म करने के लिए संघर्ष किए गए। परंतु विमुक्त घुमंतू जनजाति कल्याण संघ ने समाज में जनजागरण करते हुए सरकार का इस ओर ध्यान दिलाया और 2015 में मनोहरलाल के नेतृत्व की हरियाणा सरकार ने इस एक्ट को समाप्त कर हरियाणा को देश का पहला राज्य बनाया। जहां से हैबिट्यूल ऑफेंडर एक्ट को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया। इस मौके पर राजेश कुमार, राजेश हेड़ी, डा. राजेश शाहपुर, विजय, गुलशन ग्रोवर, प्रकाश, दर्शन लाल, मिर्चू, शिवल, नानक आदि मौजूद रहे।

हमीदपुर बांध में डूबने से युवक की मौत

नारनौल। हरियाणा के नारनौल के हमीदपुर गांव में शनिवार शाम को एक युवक की हमीदपुर बांध में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव हमीदपुर निवासी 34 वर्षीय बीरेंद्र सिंह के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार, गांव हमीदपुर निवासी 34 वर्षीय बीरेंद्र सिंह गांव में ही रहता था और खेतीबाड़ी करता था। वह शनिवार को अपने घर के पशुओं को लेकर उन्हें चराने निकला था। इस दौरान पशु तो वापस घर लौट आए, लेकिन बीरेंद्र सिंह घर नहीं लौटा। इस पर परिवार के लोगों को चिंता हुई तथा उन्होंने पूछताछ शुरू की लेकिन उसका कहीं सुराग नहीं लगा। बीरेंद्र के वापस नहीं आने पर परिजनों ने बांध एवं आसपास भी उसकी तलाश की, लेकिन कहीं नहीं मिला। शनिवार शाम को हमीदपुर बांध के पानी में कुछ तैरता हुआ दिखाई दिया। इसकी सूचना लोगों ने पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला। जिसके बाद उसकी पहचान बीरेंद्र सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल नारनौल पहुंचाया। पुलिस ने मृतक का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक दो बच्चों का पिता था। बड़ा लड़का पांचवीं व दूसरा लड़का तीसरी कक्षा में पढ़ता है।

स्वदेशी के इंकलाब के साथ पूरा होगा विकसित भारत का संकल्पः डॉ अरविंद शर्मा

- भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती में महत्वपूर्ण होगी किसान, महिला, युवाओं की भूमिका
- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत बनेगा वैश्विक औद्योगिक शक्ति
- भारत मण्डपम में भारत ग्लोबल इंडस्ट्रीज फोरम कॉन्क्लेव में पहुंचे कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा

नई दिल्ली, 31 अगस्त। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश औद्योगिक शक्ति बनने की तरफ बढ़ रहा है। देश को 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के तौर पर स्थापित करने की दिशा में स्वदेशी उत्पादों का नियमित इस्तेमाल करना क्रांतिकारी बदलाव साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य के लिए उपभोक्ताओं से लेकर उद्यमियों, निवेशकों और नीति निर्माताओं को एकजुटता दिखानी होगी, तभी वैश्विक स्तर पर भारत अधिक मजबूत होगा।

रविवार को सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने नई दिल्ली में भारत मण्डपम में भारत ग्लोबल इंडस्ट्रीज फोरम के तत्वावधान में आयोजित भारत को औद्योगिक हब बनाने के संकल्प पर कॉन्क्लेव में विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। अखिल भारतीय सम्पर्क प्रमुख रामलाल, स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक आर सुंदरम समेत विशिष्ट गणमान्यों की उपस्थिति में आयोजित कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि आज का भारत बदल रहा है। आज का भारत देश विरोधी ताकतों को सबक सिखाने से लेकर वैश्विक मंच पर किसी भी अवरोध का मजबूती से जवाब देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए इस बदलाव की ताकत देश की जनता-जनार्दन है। भारत आज एक नए युग की दहलीज पर खड़ा है। हम केवल एक शक्ति उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि एक वैश्विक औद्योगिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच का बड़ा योगदान इस विचार को जन-जन तक पहुंचाने में है कि औद्योगिक विकास तभी सार्थक है, जब वह स्वदेशी, आत्मनिर्भर और समावेशी हो।

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि बड़े उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन इसकी असली शक्ति तभी है, जब वे छोटे व मध्यम उद्योगों को भी अपने साथ लेकर चलें। बड़े उद्योग अगर अपने आपूर्ति तंत्र में एमएसएमई और छोटे उद्यमों को जोड़ते हैं तो उसका सीधा लाभ लाखों युवाओं, किसानों व स्थानीय उद्यमियों को मिलता है, यही मॉडल भारत को दीर्घकालिक औद्योगिक मजबूती देता है।

सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेक इन इंडिया अभियान को इसी सोच के साथ आगे बढ़ाया है। आज हम केवल भारतीय उत्पादों का प्रयोग करेंगे और अपने उद्योगों को प्राथमिकता देंगे तो इससे हमारी अर्थव्यवस्था को जबरदस्त रफ्तार मिलेगी। आज दुनिया मे टैरिफ वार जैसी चुनौतियां सामने आ रही हैं, इसका मजबूती से सामना करने के लिए हमें मिलकर भारत के घरेलू बाजार व औद्योगिक उत्पादन को मजबूत करना होगा। जितना हम स्वदेशी और मेक इन इंडिया पर ध्यान देंगे, उतना ही हम वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनेंगे। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा हर क्षेत्र में अग्रणी रहकर देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

हरियाणा सरकार निरन्तर स्थानीय उद्यमियों व स्टार्टअप्स के अनुकूल माहौल तैयार कर रही है। यही नहीं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से भी प्रदेश में स्वदेशी उत्पादों को बाजार अनुकूल तैयार किया जा रहा है, जिसके बेहतर परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह संयोजक डॉ अश्वनि महाजन, राज्यसभा सांसद विक्रमजीत साहनी, अखिल भारतीय सह संघटक एम सतीश कुमार, सोनालिका ट्रेक्टर्स के उपाध्यक्ष डॉ अमृत सागर मित्तल, एसएलआर मेटालिक्स के प्रबन्ध निदेशक राजकुमार गोयल, हल्दीराम के उपाध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल, नीति आयोग सदस्य अश्वनि जौहर, सिद्धार्थ शर्मा समेत बड़ी संख्या में उद्यमी, निवेशक, नीति निर्माण कर्ता, विदेशी प्रतिनिधिमंडल उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश को स्वच्छ बनाकर हर्षोल्लास के साथ मनाएंगे पर्व - नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने गांव कलाल माजरा में सुना कार्यक्रम मन की बात

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी संकल्प लेते हैं कि प्रदेश को स्वच्छ बनाकर पर्वों को हर्षोल्लास के साथ मनाएंगे। प्रदेश में 11 सप्ताह का स्वच्छता अभियान भी चलाया गया है। देश व प्रदेश में सरकार नॉनस्टॉप तीन गुणा गति के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना होगा।

मुख्यमंत्री रविवार को लाडवा विधानसभा क्षेत्र के गांव कलाल माजरा में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम सुनने के उपरांत ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनके जीवन पर डॉ. केवल कृष्ण द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने गांव के विकास के लिए 21 लाख रुपए देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सरपंच कुलदीप द्वारा गांव की ओर से रखी मांगों को संबंधित विभाग को भेजकर पूरा करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों को करवाने में सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। पिछले 10 महीने में गांव में 1 करोड़ 1 लाख रुपए से विकास कार्यों को करवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हर महीने के अंतिम रविवार को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम के तहत देश के करोड़ों लोगों से जुड़ते हैं। इस दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में अच्छे कार्य करने वाले युवाओं की कहानी देशवासियों को सुनाते हैं ताकि उनसे प्रेरणा लेकर अन्य युवा तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि पीएम ने आज जम्मू कश्मीर, हिमाचल सहित अन्य राज्यों में आई बाढ़ पर चिंता व्यक्त करते हुए देशवासियों को संदेश दिया है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किडनी के मरीजों को सभी सरकारी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और यूनिवर्सिटी में डायलीसिस फ्री में किया जा रहा है। युवाओं को बिना खर्ची पर्ची के नौकरियां दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के सभी इलाकों में समुचित विकास सुनिश्चित हो और सभी विकास कार्य समय सीमा में पूर्ण हो। गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का जोरदार तरीके से स्वागत किया।

बरसात के मौसम से निपटने के लिए प्रदेश सरकार और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट - नायब सिंह सैनी

-25 सितंबर को लान्च होगा दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना पोर्टल
-पीएम के जन्मदिन से शुरू किया जाएगा सेवा पखवाड़ा

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बरसात के मौसम को लेकर प्रदेश सरकार और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है और हर परिस्थिति से निपटने का तैयार है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के किसी भी नागरिक को कोई हानि ना पहुंचे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि ऐसे मौसम में जनता भी सावधानी बरते। पहाड़ी क्षेत्र में जाने से बचे।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को कुरुक्षेत्र के द्रोणाचार्य खेल स्टेडियम में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने खेल परिसर में खिलाड़ियों के साथ वालीबाल भी खेला। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व में देश का मान-सम्मान बढ़ाया है। देश के जरुरतमंद? और गरीबो की मदद की है। इस बात को विपक्ष हजम नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की भूमि से भगवान बुद्ध ने अपना संदेश दिया, चाणक्य जैसे बुद्धिमान नीतिकार पैदा किए, श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने बिहार से प्रकाश फैलाया। ऐसी पवित्र भूमि पर कांग्रेस शीर्ष नेता राहुल गांधी की टिप्पणी शोभनीय नहीं है। उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्ष अपने कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों को बताने का काम करे। यदि तब काम किए होते तो आज ईवीएम को दोष ना देते। उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस के सच को जानकर नकार चुकी है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 11 सालों में देश में अभूतपूर्व विकास कर विश्वभर में सम्मान दिलवाने का काम किया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इजराइल युद्ध पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि युद्ध में हानियां होना तय है, कहीं जान तो कहीं माल का नुकसान होता है। उन्होंने टैरिफ पर पूछे गए सवाल पर कहा कि देश का नेतृत्व मजबूत हाथों में हैं। भारत किसी भी स्थिति से निपटने की क्षमता रखता है। लगातार देश की जीडीपी में सुधार हो रहा है। देश में लगातार राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे मार्ग, यूनिवर्सिटी सहित अनेक विकास कार्यों को गति से करवाया जा रहा है।

25 सितंबर को लांच होगा दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना पोर्टल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनाव से पहले संकल्प पत्र में बहनों को 2100 रुपए देने का वायदा किया था, जिसके लिए इस वर्ष के बजट में 5000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। अब 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का पोर्टल लांच किया जाएगा। इस पोर्टल से बहनें अपना आवेदन कर सकती है। पहले फेज में 20 लाख महिलाओं को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद दूसरा फेज लाया जाएगा और फिर तीसरा फेज भी आएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने भी महिलाओं को सम्मान दिए जाने की घोषणाएं की थी, जिन प्रदेशों में कांग्रेस की सरकार है महिलाओं के लिए कोई योजना शुरू नहीं की गई ।

पीएम के जन्मदिन से शुरू किया जाएगा सेवा पखवाड़ा

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है, इसदिन से सेवा पखवाड़ा की शुरूआत की जाएगी। इस सेवा पखवाड़ा के माध्यम से गरीब, जरुरतमंद, दिव्यांगजनों की सेवा की जाएगी। अभियान में वेल्फेयर सोसायटी, व्यापारियों सहित अन्य संस्थाओं को शामिल कर यह 2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिवस तक चलेगा। । उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि इस अभियान को आमजन अपनी दिनचर्या में अपनाने का काम करे। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री श्री सुभाष सुधा, अंबाला कमीश्नर श्री संजीव वर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

युवा खेल को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

- राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में कुरुक्षेत्र में साइक्लाथोन का किया आयोजन
- हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को किया नमन
- वर्ष 2036 के ओलम्पिक खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों को सर्वाधिक मैडल जीतने हैं
- मेरा कुरुक्षेत्र , मेरा अभिमानफ़ वेबसाइट की लांच
- स्वच्छ कुरुक्षेत्र , मेरा कुरुक्षेत्र अभियान का भी किया आगाज

नई दिल्ली।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे खेल को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं और हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की तरह अनुशासन, मेहनत और समर्पण के मार्ग पर चलें। उन्होंने वर्ष 2036 के ओलम्पिक खेलों में हरियाणा के खिलाडियों द्वारा सबसे अधिक मैडल जीतने के लिए प्रेरित भी किया। मुख्यमंत्री आज कुरुक्षेत्र में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित साइक्लाथोन कार्यक्रम में युवाओं को सम्बोधित कर रहे थे।

इससे पहले , मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने श्रमदान करके ÷स्वच्छ कुरुक्षेत्र , मेरा कुरुक्षेत्र , मेरा अभिमान÷ का शुभारम्भ किया। हरियाणा के खेल विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में साइक्लाथोन और स्वच्छता को जोड़कर युवाओं को स्वच्छ और स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्यमंत्री ने साइक्लाथोन में हिस्सा लेने से पूर्व मेरा कुरुक्षेत्र , मेरा अभिमान वेबसाइट भी लांच की जिस पर कुरुक्षेत्र के लोग स्वच्छता से संबंधित फोटो अपलोड करके अपने सर्टिफ़िकेट डाऊनलोड कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं को नशा से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जो व्यक्ति को ही नहीं, पूरे परिवार और समाज को खोखला कर देती है। यह न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है।उन्होंने मेजर ध्यानचंद को उनके जन्मदिवस पर नमन करते हुए कहा कि मेजर ध्यान चन्द हमारे युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में इसीलिए मनाया जाता है, ताकि हमारे खिलाड़ी उनके जैसी लगन और मेहनत करके वैसी ही उपलब्धियां प्राप्त करने के लिए प्रेरित हों। मुख्यमंत्री ने बताया कि मेजर ध्यान चन्द भारत माता के महान सपूत थे। उनके नेतृत्व में भारतीयों ने हॉकी का स्वर्णिम इतिहास रचा। इसके फलस्वरूप हॉकी को राष्ट्रीय खेल का दर्जा मिला। उन्होंने भारतीय हॉकी टीम को उन बुलन्दियों पर पहुंचाया, जिनसे हमने तीन बार ओलम्पिक स्वर्ण पदक जीते। यह किसी भी राष्ट्र के लिए गौरव की बात है।

उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय खेल दिवस का थीम एक घंटा, खेल के मैदान में है। इसका मतलब यह नहीं है कि हमें केवल आज ही एक घंटा खेलना है। इसका अर्थ है कि हमें हर रोज एक घंटा खेल को देना है ताकि हम शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रह सकें। ऐसा होने पर ही हम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के फिट इंडिया-हिट इंडिया के विजन को साकार कर पाएंगे। नायब सिंह सैनी ने खिलाड़ियों की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी वर्ष 2036 के ओलम्पिक खेलों में भारत को खेल महाशक्ति बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने उन खेलों को भारत में करवाने का संकल्प भी व्यक्त किया है। मुझे विश्वास है कि उस समय आप जैसे हरियाणा के खिलाड़ी सबसे अधिक पदक जीतकर देश का नाम रोशन करेंगे। इसके लिए हम पहले से ही तैयारियां शुरू कर चुके हैं। हमारा सपना है कि हरियाणा का हर गांव-हर शहर एक ऐसा खिलाड़ी दे, जो विश्व मंच पर भारत का परचम लहराए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज हरियाणा को खेलों की नर्सरी कहा जाता है। प्रदेश के खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। चाहे वे ओलंपिक खेल हों, एशियाई खेल हों या राष्ट्रमंडल खेल हों, हरियाणा के खिलाड़ियों ने हर मोर्चे पर तिरंगे को ऊंचा फहराया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक 2024 में देश द्वारा जीते गये 6 पदकों में से 5 पदक जीते। इससे पहले, टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत द्वारा जीते गए 7 पदकों में से 4 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने हासिल किए। यही नहीं, एशियाई खेलों में भी हमारा प्रदर्शन बड़ा ही सराहनीय रहा है। एशियाई खेल-2022 में, राज्य के 82 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें देश के 111 पदकों में से 28 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने सरकार द्वारा खिलाड़ियों को खेल उपकरण भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इसके लिए हरियाणा खेल उपकरण प्रावधान योजना बनाई है। इसके तहत 15 हजार 634 खिलाड़ियों को उपकरण प्रदान किये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बचपन से ही खेलों के लिए प्रोत्साहन व प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। राज्य में मजबूत खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर भी तैयार किया गया है, ताकि खिलाड़ियों को सभी आधुनिक सुविधाएं मिल सकें। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं को आह्वान किया कि वे किसी न किसी एक खेल में हिस्सा अवश्य लें ताकि वे स्वस्थ रह सकें।

हॉकी एशिया कप 2025 : भारत ने हॉकी एशिया कप के पूल मैच में जापान को हराया

राजगीर (बिहार) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को एशिया कप 2025 के ग्रुप ए के दूसरे मैच में जापान को 3-2 हरा दिया है। भारत की यह लगातार दूसरी जीत है और दो मैचों में छह अंकों के साथ वह पूल ए में शीर्ष पर है। इस जीत के साथ उसने टूर्नामेंट में सुपर 4 चरण में अपनी जगह पक्की कर ली है।

आज यहां स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में पुरुष हॉकी रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज भारत के लिए मनदीप सिंह (चौथे मिनट में), हरमनप्रीत सिंह (5वें और 46वें मिनट में) ने गोल दागे। वहीं, 18वें स्थान पर मौजूद जापान के लिए कावाबे कोसेई ने दो गोल (38वें और 59वें मिनट) किए। भारत ने मैच की शानदार शुरुआत की और अपना दबदबा बनाए।

पहले क्वार्टर में भारत ने दो गोल दागे। मैच के चौथे मिनट में मनदीप सिंह ने मैदानी गोल के साथ टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद मेजबान टीम ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर अपने नाम किए। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मौके को भुनाते हुए ड्रैगफ्लिक के साथ पीसी को गोल में तब्दील किया और भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। वहीं, जापान ने भी पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हुए। दूसरा क्वार्टर गोल रहित रहा। दोनो टीमों ने गोल करने के मौके बनाए, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सके। जापान ने लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए थे। पहले हाफ की समाप्ति तक भारत ने अपनी 2-0 की बढ़त को कायम रखा।

तीसरे क्वार्टर में जापान ने गोल के साथ मैच में वापसी की। जापान के लिए कावाबे कोसेई ने 38वें मिनट पर फील्ड गोल दागकर स्कोर 2-1 कर दिया। इस क्वार्टर में भारत ने अटैक करना जारी रखा और आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। जिसे हरमनप्रीत सिंह ने अपने शानदार ड्रैगफ्लिक से गोल में तब्दील कर दिया। चौथे क्वार्टर में भारत ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखा। जापान ने लगातार मौके बनाए और मैच खत्म होने से पहले कावाबे ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। लेकिन मैच जीतने में कामयाब नहीं हो सके। भारतीय हॉकी टीम अपना अगला मुकाबला कजाकिस्तान के खिलाफ खिलाफ सितंबर को खेलेगी।

अक्षर पटेल से छिनेगी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी! इन प्लेयर्स में किसी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में बदलावों का दौर चल रहा है। ट्रेड विंडो के तहत कई तरह की बातचीत और कुछ बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं अब दिल्ली कैपिटल्स में अक्षर पटेल को कप्तानी से हटाने की खबरे सामने आई हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 से पहले एक नए कप्तान पर विचार कर रही है। इससे टीम में केएल राहुल या फाफ डु प्लेसिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए भूमिका खुल जाती है। फिलहाल फ्रैंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

डीसी कप्तानी के लिए 3 सर्वश्रेष्ठ दावेदार

फाफ डु प्लेसिस : फाफ डु प्लेसिस का नाम इस भूमिका के लिए दूसरे सबसे अच्छे उम्मीदवार के रूप में सामने आता है। दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अपनी राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की विभिन्न लीगों में कई फ्रैंचाइजी का नेतृत्व किया है। अनुभव की बात करें तो डु प्लेसिस के पास इसकी कोई कमी नहीं है और वह टीम को इतिहास के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सीजन तक ले जा सकते हैं।

केएल राहुल : भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल टीम के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं। आईपीएल 2025 में वह उनकी बल्लेबाजी का अहम हिस्सा थे। टीम में राहुल के महत्व और फ्रैंचाइजी तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव होने के कारण, यह भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प लग रहा है।

ट्रिस्टन स्टब्स : दक्षिण अफ्रीकी युवा खिलाड़ी IPL 2025 के दौरान दिल्ली कैपिटल्स टीम के सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों में से एक थे। ट्रिस्टन स्टब्स कैपिटल्स के लिए एक दीर्घकालिक निवेश प्रतीत होते हैं। आगे चलकर कैपिटल्स उन्हें एक लीडर के रूप में प्रोजेक्ट कर सकते हैं और उनके इर्द-गिर्द टीम बना सकते हैं।

ब्रेंडन ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 10 हजार रन पूरे करने वाले जिम्बाब्वे के तीसरे बल्लेबाज बने

हरारे (जिम्बाब्वे) (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रनों का आंकड़ा छूने वाले अपनी टीम के तीसरे खिलाड़ी बन गए, जो देश के क्रिकेट इतिहास में एक बड़ा क्षण था। ब्रेंडन ने यह उपलब्धि हरारे में श्रीलंका के खिलाफ अपनी टीम के दूसरे वनडे के दौरान हासिल की। ??पहले वनडे में शून्य पर आउट होने के बाद टेलर ने 37 गेंदों में बिना किसी चौके या छक्के के 20 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की।

अब 287 मैचों में उन्होंने 320 पारियों में 33.92 की औसत से 10,009 रन बनाए हैं, जिसमें 17 शतक और 57 अर्धशतक और 171 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। ब्रेंडन अब दिग्गज एंडी फ्लावर (276 मैचों में 16 शतकों के साथ 40.63 की औसत से 11,580 रन) और ग्रांट फ्लावर (288 मैचों में 32.03 की औसत से 12 शतकों के साथ 10,028 रन) के साथ 10,000 अंतरराष्ट्रीय रन क्लब का हिस्सा हैं।

ब्रेंडन ने टेस्ट में 35 टेस्ट और 70 पारियों में 35.92 की औसत से 2,371 रन बनाए हैं, जिसमें 6 शतक और 12 अर्द्धशतक और 171 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। वह इस प्रारूप में जिम्बाब्वे के लिए चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वनडे में ब्रेंडन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 35.28 की औसत से 6,704 रन बनाए हैं, जिसमें 11 शतक और 39 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 145* है। ब्रेंडन जिम्बाब्वे के लिए टी20आई में सातवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 45 मैचों और पारियों में 23.94 की औसत से 934 रन बनाए हैं, जिसमें 5 अर्द्धशतक और 75* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है।

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज चोपड़ा, क्वालीफिकेशन के बावजूद तीन खिलाड़ी चूके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की अगुवाई में रविवार को 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की। देश के इतिहास में पहली बार भारत के चार पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे जिसमें दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी शामिल हैं।

पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालीफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) की सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन किया गया पांच महिलाएं भी शामिल हैं। भारत ने 2023 में हंगरी में हुए पिछले टूर्नामेंट में 28 एथलीट भेजे थे जिनमें सात रिले धावक शामिल थे। इस बार देश किसी भी रिले स्पर्धा के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया।

चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीता था और इस बार भी उनके अलावा किसी अन्य भारतीय के पास पदक जीतने का कोई वास्तविक मौका नहीं है। पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल के एथलीट अक्षदीप सिंह का नाम विश्व रैंकिंग के माध्यम से क्वालीफाई करने के बावजूद शामिल नहीं है क्योंकि वह चिकित्सकीय रूप से

फिट नहीं हैं। एशियाई चैंपियन होने के कारण कट हासिल करने वाली हेप्टाथलीट नंदिनी अगासरा भी कोहनी की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाई हैं जैसा कि पीटीआई ने पहले बताया था।

तीन हजार मीटर स्टीपलचेज के स्टार खिलाड़ी अविनाश साबले ने स्वत- पात्रता सीमा हासिल करके क्वालीफाई किया लेकिन जुलाई में एसीएल सर्जरी के कारण वह इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे। एएफआई के प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने वर्चुअल मीडिया बातचीत में कहा, 'साबले, अक्षदीप और नंदिनी टीम में नहीं हैं क्योंकि वे चिकित्सकीय रूप से फिट नहीं हैं।'

गत चैंपियन होने के कारण 27 वर्षीय चोपड़ा ने वाइल्ड कार्ड से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया जिससे तीन अन्य भारतीयों के उनके साथ जुड़ने का रास्ता साफ हुआ। किसी भी देश को प्रतिस्पर्धा में अधिकतम तीन प्रतिभागियों को शामिल करने की अनुमति है लेकिन यदि कोई खिलाड़ी वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रतियोगिता में जगह बनाता है तो यह संख्या चार हो सकती है।

चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालीफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। तोक्यो में प्रतिस्पर्धा करने वाले शुरुआती 36 एथलीटों के समूह में जगह बनाने में नाकाम रहे रोहित को विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला जब विश्व रैंकिंग में उनसे ऊपर के प्रतियोगियों ने नाम वापस ले लिया। कोई भी एथलीट क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने विश्व चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर सकता है।

शेष स्थान विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दिए जाते हैं जिससे कि विश्व एथलेटिक्स द्वारा प्रत्येक स्पर्धा के लिए पूर्व-निर्धारित आवश्यक प्रवेश संख्या पूरी की जा सके। इसके बाद सदस्य देशों ने वैश्विक संस्था को अपने एथलीटों के नाम वापस लेने की सूचना दी और इस प्रकार खाली हुए स्थानों को विश्व रैंकिंग में अगले स्थान पर रहने वाले एथलीटों द्वारा भर दिया गया।

अब कोच की भूमिका निभाना चाहते हैं अश्विन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन आने वाले समय में कोच की भूमिका में भी नजर आ सकते हैं। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से भी संन्यास ले लिया था। इसके बाद से ही उनके विदेशी लीग में खेलने की अटकलें लगायी जा रही हैं। वहीं इस पूर्व स्पिनर का कहना है कि उनकी अगली योजना कोचिंग करना है। अश्विन ने खुलासा किया कि कोच के तौर पर काम करना ही उनका भविष्य हो सकता है। अश्विन ने कहा, मैं जब मैं किसी चीज में दृढ़ विश्वास रखता हूं, तो उसके पीछे जाता हूं। अब मैं खेल में आनंद के पीछे भाग रहा हूं। मेरा अगला काम कोच की भूमिका निभाना है। मैं इसे एक बहुत ही अहम साधन मानता हूं। मुझे विश्वास है कि खेल मुझे इसके लिए तैयार कर रहा है। अश्विन ने ये भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान भी एक बार उनकी खिलाड़ी और कोच की दोहरी भूमिका निभाने पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, जब मैं राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहा था, तब हमने कोच और खिलाड़ी के खेलने पर बात की थी। तब हमने इस बारे में चर्चा की थी कि क्या कोई क्रिकेटर के रूप में खेलते हुए एक ही समय में दोनो भूमिका भी निभा सकता है हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि वो बात किससे हुई थी।

अय्यर की नेतृत्व क्षमता ही बनी उनके लिए मुसीबत : पनेसर

नई दिल्ली। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर देश विदेश के कई क्रिकेटरों ने हैरानी जतायी थी। इन सभी का मानना है कि श्रेयस की जानबूझकर उपेक्षा की गयी है और इसका नुकसान भारतीय टीम को उठाना पड़ेगा। वहीं अब इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर का कहना है कि श्रेयस की इसलिए उपेक्षा की गयी है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता है और यहीं उनके चयन में बाधा बन रही है। पनेसर के इस तंज से एक नई बहस शुरु हो सकती है। पनेसर का कहना है कि श्रेयस की अगुवाई में कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 का खिताब जीता। वहीं पंजाब किंग्स को उन्होंने आईपीएल 2025 में फाइनल तक पहुंचाया, जहां उन्हें आरसीबी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट में भी कप्तानी का लंबा अनुभव है। पनेसर ने कहा, 'अय्यर को भारतीय टीम में जगह बनाने में शायद इसलिए दिक्कत हो रही है। चयनकर्ताओं ऐसे में किसी युवा खिलाड़ी को टीम में रखना चाहते हैं जिससे कोच गौतम गंभीर के साथ किसी प्रकार का टकराव न हो। इसलिए मुझे लगता है कि आईपीएल में कप्तान होने के नाते उनके लिए टीम में जगह बनाना थोड़ा मुश्किल है।卐 उन्होंने आगे कहा, 卐लेकिन मेरा मानना ??है कि अगर वह रन बनाते रहे, तो उन्हें अवसर मिलेगा ही। उनमें अविश्वसनीय प्रतिभा है।'

विश्व चैंपियनशिप: सात्विक-चिराग ने कांस्य पदक के साथ अभियान का किया समापन

पेरिस (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को यहां विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष युगल सेमीफाइनल में चीन के 11वें वरीय चेन बो यांग और लियू यी से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पदक सुनिश्चित करने के एक दिन बाद सात्विक और चिराग के पास विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनने का मौका था लेकिन शनिवार की शाम को 67 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 19-21, 21-18, 12-21 से हारने के कारण उनका यह सपना पूरा नहीं हो पाया।

भारतीय जोड़ी का विश्व चैंपियनशिप में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2022 में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के

ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर 2011 से लेकर अब तक इस टूर्नामेंट में पदक जीतने का भारत का सिलसिला जारी रखा था। सेमीफाइनल में हालांकि भारतीय टीम चीनी जोड़ी की कड़ी चुनौती का सामना नहीं कर सकी। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया। सात्विक और चिराग ने शुरुआती गेम में आक्रामक रवैया अपनाया और जल्द ही 9-3 की बढ़त बना ली। लेकिन चेन और लियू ने इसके बाद शानदार वापसी की और भारतीय जोड़ी को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद चिराग तीसरे गेम प्वाइंट पर चूक गए और चीन की टीम पहला गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 5-1 की बढ़त बना ली। सात्विक के स्मैश और चिराग के नेट पर आक्रामक खेल से भारतीय टीम को बढ़त हासिल करने में मदद मिली। लेकिन इसके बाद चिराग ने नेट पर बार-बार गलतियां की और सात्विक की सर्विस भी अच्छी नहीं रही जिससे चीन की जोड़ी ने स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। सात्विक के ज़बरदस्त स्मैश और भाग्यशाली नेट कॉर्ड की बदौलत उन्होंने 21-18 से जीत हासिल की और निर्णायक गेम में प्रवेश किया। तीसरा गेम हालांकि एकतरफा रहा। लियू की सर्विस ने चिराग को बार-बार परेशान किया और चीनी जोड़ी ने 9-0 की बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी इंटरवल के समय 3-11 से पीछे थी और इसके बाद वह वापसी करने में नाकाम रही।

आयुष बडोनी का दोहरा शतक, उत्तर क्षेत्र दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचा

बेंगलुरु। आयुष बडोनी के नाबाद दोहरे शतक की मदद से उत्तर क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के चौथे और आखिरी दिन रविवार को यहां पूर्व क्षेत्र को वापसी करने का मौका नहीं दिया और पहली पारी में बढ़त के आधार पर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। पहली पारी में 183 रन की बढ़त लेने वाली उत्तर क्षेत्र की टीम ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में दो विकेट पर 388 रन से आगे से की। टीम ने चार विकेट पर 658 रन पर पारी घोषित की तब उसकी बढ़त 833 रन की हो चुकी थी और दोनों कप्तानों ने मैच को ड्रॉ समाप्त करने पर सहमति जता दी। बडोनी 223 गेंद पर 204 रन पर नाबाद रहे जबकि कन्हैया वधावन 23 रन बनाकर नाबाद रहे। बडोनी ने उत्तर क्षेत्र के बल्लेबाजी जारी रखने के फैसले का पूरा फायदा उठाते हुए प्रथम श्रेणी करियर का दूसर दोहरा शतक पूरा किया। बीते दिन 56 रन पर नाबाद रहे दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने 93 रन के स्कोर पर छक्का जड़ा और फिर एक रन चुरा कर 123 गेंद में अपना शतक पूरा किया। कप्तान अंकित शर्मा दो रन से दोहरा शतक पूरा करने से चूक गये। दिन की शुरुआत 168 रन से करने वाले अंकित 198 रन बनाकर तेज गेंदबाज मुख्तार हुसैन की गेंद को मिड ऑन पर सूरज जायसवाल के हाथों में खेल गए। उन्होंने आउट होने से पहले बडोनी के साथ तीसरे विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी की। इस विकेट के बाद भी पूर्व क्षेत्र के गेंदबाजों को राहत नहीं मिली। क्रीज पर आए निशांत सिंधू (91 गेंद में 68 रन) ने बडोनी के साथ 157 रन की साझेदारी कर टीम के स्कोर को 600 के पार पहुंचा दिया। टीम ने बडोनी का दोहरा शतक पूरा होने के बाद पारी घोषित कर दी। बडोनी ने 13 चौके और तीन छक्के जड़े जबकि सिंधू ने दो चौके और पांच छक्के लगाये। पहली पारी में हैट्रिक सहित 5 विकेट लेने वाले उत्तर क्षेत्र के गेंदबाज आकिब नबी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच ड्रॉ के बाद उत्तर क्षेत्र के कप्तान अंकित ने कहा, 'अगर हम चाहते तो परिणाम के लिए जा सकते थे। पहली पारी में बढ़त के कारण हमने कोशिश नहीं की। हम अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा को भी (एशिया कप से पहले) जितना हो सके उतना तरोताजा रखना चाहते थे।'

विराट आने वाले समय में केवल आईपीएल में ही खेलेंगे : पठान

नई दिल्ली। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है आने वाले समय में विराट कोहली केवल आईपीएल में ही खेलते हुए दिखेंगे। इरफान पठान का मानना है कि कोहली और रोहित शर्मा के लिए सबसे बड़ी चुनौती अक्टूबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले मैच अभ्यास हासिल करना होगा क्योंकि दोनो ही काफी समय से खेल से दूर हैं। टी20 और टेस्ट से संन्यास लेने के बाद उनके पास केवल आईपीएल और एकदिवसीय में खेलने का अवसर ही है। एकदिवसीय मैच कम होने से इन्हें अभ्यास का कम समय मिला है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ असफल रहने पर इनके ऊपर संन्यास लेने का दबाव होगा। पठान ने कहा, 'कोहली और रोहित के लिए एकमात्र चुनौती नियमित क्रिकेट खेलना रहेगा। उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती नियमित रूप से खेलना और फिट रहना होगा। विराट केवल आईपीएल खेलेंगे, और फिर जब भी फर्स्ट क्लास क्रिकेट होगा, तो उसमें हिस्सा ले सकते हैं। टी20 ने एकदिवसीय को पीछे छोड़ दिया है, इसलिए एकदिवसीय फॉर्मेट के मैचों की संख्या काफी कम हो गई है। ऐसे में दोनों के ऊपर ही दबाव होगा।' 'जहां तक रोहित शर्मा की बात है, मैंने उनसे बात की है और वह फिटनेस को लेकर बहुत उत्सुक हैं। विराट भी ऐसे ही उत्साहित होंगे। खिलाड़ियों के नजर से देखें तो सबसे ज्यादा उनके अंदर खेलने की भूख रखती है। यह उनके बारे में एक बड़ी बात है कि वे अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।'

आप टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती की याद दिलाते थे, पीएम मोदी ने की पुजारा की सराहना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की सराहना करते हुए लिखा कि उनकी दृढ़ खेल शैली टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती की याद दिलाती थी। पुजारा ने पिछले रविवार को अपने 103 टेस्ट मैच के शानदार करियर का अंत करते हुए संन्यास की घोषणा की थी।

मोदी ने पुजारा को एक पत्र में लिखा, 'क्रिकेट के छोटे प्रारूपों के प्रभुत्व वाले युग में आप खेल के लंबे प्रारूप की खूबसूरती की याद दिलाते थे। आपके अडिग धैर्य और लंबे समय तक एकाग्रता के साथ बल्लेबाजी करने की क्षमता ने आपको भारतीय बल्लेबाजी क्रम का आधार बनाया।' भारत के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले इस पूर्व बल्लेबाज ने पत्र की प्रति सोशल मीडिया पर पोस्ट की और प्रधानमंत्री को उनके गर्मजोशी भरे शब्दों के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 और 2021 में ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो श्रृंखला जीतने के दौरान पुजारा की अहम भूमिका का जिक्र करते हुए लिखा, 'आपका उत्कृष्ट क्रिकेट करियर उल्लेखनीय कौशल तथा दृढ़ संकल्प के क्षणों से भरा पड़ा है, विशेषकर विदेशों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में।' उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए प्रशंसक ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जैसे मौकों को हमेशा याद रखेंगे जब आपने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत के पहली बार ऐतिहासिक श्रृंखला जीतने की नींव रखी थी!' मोदी ने लिखा, 'सबसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमणों में से एक के सामने डटे रहकर आपने दिखाया कि टीम की जिम्मेदारी उठाने का क्या मतलब होता है।' मोदी ने घरेलू क्रिकेट के प्रति पुजारा की प्रतिबद्धता की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''खेल के प्रति आपका जुनून इस बात से भी झलकता है कि एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होने के बावजूद आपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलना जरूरी समझा, चाहे वह सौराष्ट्र के लिए हो या विदेश में।' प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'सौराष्ट्र क्रिकेट के साथ आपका लंबा जुड़ाव और राजकोट को क्रिकेट के नक्शे पर लाने में आपका योगदान इस क्षेत्र के हर युवा के लिए अपार गर्व का स्रोत रहेगा।% पुजारा ने अपनी प्रतिक्रिया में लिखा, 'मैं अपने संन्यास पर हमारे माननीय प्रधानमंत्री से प्रशंसा पत्र प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'आपकी भावनाओं की मैं बहुत सराहना करता हूं। अपनी दूसरी पारी में कदम रखते हुए मैं मैदान पर बिताई हर याद और मुझे मिले प्यार और प्रशंसा को संजोकर रखूंगा। धन्यवाद सर।'

पाक ने त्रिकोणीय सीरीज के दूसरे मैच में यूएई को हराया

दुबई। सलमान आगा की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने यहां जारी त्रिकोणीय सीरीज का दूसरा मैच भी जीत लिया है। पाक टीम ने पहले ही मैच में अफगानिस्तान को हराने के बाद अपने दूसरे मैच में मेजबान यूएई को भी हरा दिया। पाक टीम ने साइम अयूब और हसन नवाज के अर्धशतक से यूएई के खिलाफ 207 रन बनाये। इसके बाद मेजबान टीम यूएई को 176 रनों पर ही आउअ कर 37 रनों से मुकाबला जीत लिया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद फखर जमां भी केवल 6 रन बनाकर आउट हो गये। कप्तान सलमान भी 5 रन ही बना पाए। ऐसे में सईम अयूब ने अर्धशतक लगाकर पारी संभाली। उन्होंने 38 गेंदों में चार छक्के और सात चौके लगाकर 69 रन बनाये। अयूब का हसन नवाज ने भी साथ दिया। हसन ने 26 गेंदों में ही 56 रन बनाये। उन्होंने 2 चौके लगाये और छह छक्के मारे. दोनों पे 25 गेंदों पर 57 रन बनाये। वहीं मोहम्मद नवाज और फहीम अशरफ ने निचले अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 207 रनों तक पहुंचाया।

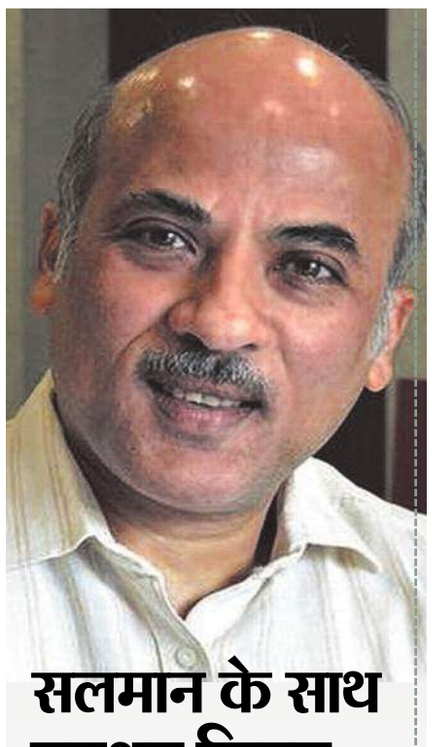

सलमान के साथ एक्शन फिल्म करना चाहते थे सूरज बड़जात्या

फिल्म डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने कहा है कि सुपरस्टार सलमान खान के लिए ऐसा काम करना जो आज के समय में रिलेवेंट और नया लगे, हमेशा एक बड़ी चुनौती रहती है। बड़जात्या सलमान के साथ एक एक्शन फिल्म बनाने की तैयारी में थे, लेकिन उन्होंने यह आइडिया छोड़ दिया क्योंकि वह सलमान के लिए सही कैरेक्टर नहीं बना पाए। बड़जात्या ने कहा, कुछ विषय ऐसे होते हैं जिन्हें आगे नहीं बढ़ा पाते। कभी क्लाइमैक्स नहीं मिलता, कभी कैरेक्टर नहीं बनता। जब तक सब चीजें साथ नहीं आतीं, फिल्म बनाना समझदारी नहीं है। मैंने अब तक सात फिल्में बनाई हैं। मेरा यही फैसला है कि जब तक खुद को यकीन न हो, फिल्म नहीं बनाऊंगा। मुझे खुशी है कि सलमान भाई मेरे साथ हैं। आज उनकी उम्र में उनके लिए कुछ नया और रिलेवेंट बनाना और बड़ी चुनौती है। सूरज बड़जात्या और सलमान ने मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन..! , हम साथ साथ हैं और प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्मों में काम किया है। सूरज बड़जात्या और सलमान ने मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन..! , हम साथ साथ हैं और प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्मों में काम किया है।

सलमान की बहुत बड़ी वापसी होगी

सलमान खान के करियर को तीन दशक से ज्यादा हो गए हैं। वह लगातार ब्लॉकबस्टर देने के लिए जाने जाते हैं, लेकिन हाल ही कुछ सालों में उनकी सिकंदर, किसी का भाई किसी की जान, राधे, और रेस 3 उस तरह खास प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। इसके बावजूद बड़जात्या सलमान के करियर को लेकर पॉजिटिव हैं। उन्होंने कहा,यह सबकी जिंदगी में होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि वह सेलिब्रिटी हैं, इसलिए उन पर ज्यादा ध्यान जाता है, लेकिन हर किसी को गलती करने और सीखने का मौका मिलना चाहिए। हमें एक-दूसरे को आगे बढ़ने देना चाहिए। सलमान बहुत अच्छे इंसान हैं और काफी मजबूत भी हैं। वह बहुत बड़ा कमबैक करेंगे। इस समय दोनों अपने-अपने नए प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। सूरज बड़जात्या एक फैमिली ड्रामा पर काम शुरू करने वाले हैं, जिसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी नजर आएंगे। वहीं, सलमान खान ने फिल्म बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग शुरू कर दी है।

नोरा फतेही ने लॉस एंजिल्स में डांस वर्कशॉप में मचाई धूम

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही चार्ट्स और डांस फ्लोर, दोनों पर आग लगा रही हैं! लॉस एंजिल्स में, नोरा ने एक हाई-एनर्जी डांस वर्कशॉप में हिस्सा लिया, जहाँ उन्होंने फैन्स और डांसर्स के साथ मिलकर ओ मामा! टेटेमा कोरियोग्राफी में शानदार प्रदर्शन किया। नोरा सिर्फ दर्शक बनकर नहीं रहीं — उन्होंने खुद डांस फ्लोर पर उतरकर युवा डांसर्स और कलाकारों को अपनी जोशीली एनर्जी से प्रोत्साहित किया। पूरा माहौल जोश और उत्साह से भर गया, फैन्स ने नोरा के हर मूव को कैमरे में कैद किया, जब वह सभी को प्रोत्साहित कर रही थीं। यह वर्कशॉप सिर्फ एक इवेंट नहीं बल्कि एक उत्सव बन गया — संगीत, डांस और कम्युनिटी का उत्सव — जिसे नोरा हमेशा आगे बढ़ावा देती रही हैं। इस बीच, उनका नवीनतम ट्रैक ओह मामा! टेटेमा दुनिया भर में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। यह गाना स्पॉटिफाई के ग्लोबल वायरल सॉन्ग्स चार्ट पर 29वें स्थान पर पहुँच गया है और भारत में चौथे स्थान पर पहुँच गया है, जिससे इसके क्रॉसओवर प्रभाव का प्रमाण मिलता है। इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए, नोरा ने प्रशंसकों के साथ अपना उत्साह साझा किया- दोस्तों, मैं बहुत एक्साइटेड हूं। आज सुबह उठते ही मुझे एक जबरदस्त खबर मिली। ओ मामा! टेटेमा स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल चार्ट्स में नंबर 29 पर है। ग्लोबल चार्ट्स, समझे? ये पागलपन है! और हम इंडिया में नंबर 4 पर हैं। तो हम सच में आ रहे हैं आप सभी के लिए! मुझे लगता है ये गाना 2025 का समर एंथम बनने वाला है। और ये बस यू ही चलता ही रहेगा। मुझे ये गाना बहुत पसंद है, और मुझे पता है आप सबको भी बहुत पसंद है। मुझे लगता है हम इंस्टाग्राम पर एक मिलियन रील्स छूने वाले हैं। हर कोई इस पर डांस कर रहा है — ये पागलपन है! हर तरफ सिर्फ रील्स ही रील्स हैं। ये एक स्पेशल मोमेंट है, ठीक है? एक सिंगर और म्यूजिकल आर्टिस्ट के रूप में ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं आप सबको बहुत प्यार करती हूं। जहाँ एक ओर 'ओ मामा! टेटेमा' ग्लोबल चार्ट्स पर छा गया है, वहीं नोरा 'कांचना 4' और कई अन्य फिल्मों के साथ स्क्रीन पर भी दस्तक देने को तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। लेकिन एलए की उस वर्कशॉप में जिन फैन्स ने उनके साथ डांस किया, हँसे और वो पल जिए — उनके लिए असली जादू सिर्फ संगीत में नहीं था, बल्कि उस स्टार के विनम्र स्वभाव में था, जो हमेशा अपने चाहने वालों पर अपनी चमक बिखेरना कभी नहीं भूलती। प्लेलिस्ट्स पर राज करने से लेकर दुनियाभर में डांस फीवर जगाने तक, नोरा फतेही एक बार फिर साबित कर रही हैं कि वह एक सच्ची ग्लोबल सेंसेशन क्यों हैं।

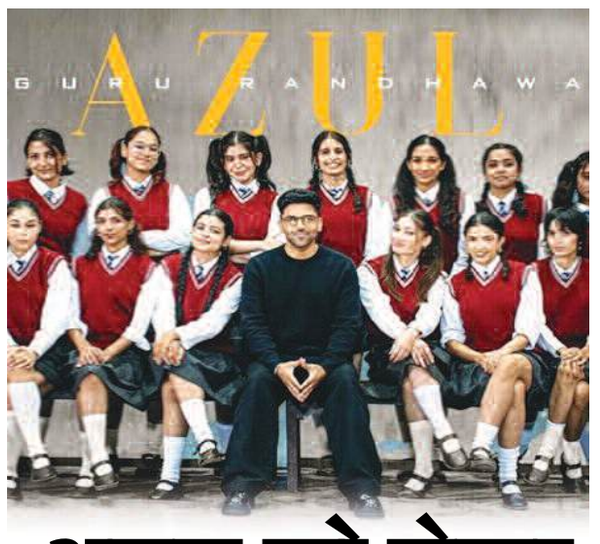

अजुल को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर आए गुरु रंधावा

भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के बड़े सिंगर गुरु रंधावा अपने नए गाने 'अजुल' को लेकर इन दिनों विवादों में हैं। एक तरफ जहां गाना रिलीज होते ही ट्रेंडिंग लिस्ट में छा गया, वहीं अब सोशल मीडिया पर इसके कंटेंट को लेकर एक बड़ा वर्ग आपत्ति जता रहा है। आरोप है कि म्यूजिक वीडियो में स्कूल गर्ल्स की छवि के साथ खिलवाड़ किया गया है और उनकी तुलना शराब ब्रांड्स से की गई है। इसी के लिए अब सिंगर को लोगों की तरफ से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

गाने को कंटेंट को लेकर उठे सवाल

'अजुल' में गुरु रंधावा एक फोटोग्राफर बने हैं, जो एक गर्ल्स स्कूल में क्लास फोटो खींचने पहुंचते हैं। यूजर्स की मानें तो जहां गाने में मासूमियत और सादगी दिखाई जानी चाहिए थी, वहां उन्हें अश्लीलता और भड़काऊ विजुअल्स दिखाई दिए। वीडियो में दिख रही सभी महिलाएं व्यस्क हैं, लेकिन उन्हें स्कूल की लड़कियों के रूप में दिखाया गया है। यही बात दर्शकों को खटक गई और आरोप लगा कि इस तरह के सीन युवाओं पर गलत असर डाल सकते हैं।

ट्रोलर्स के निशाने पर आए सिंगर

सोशल मीडिया पर 'अजुल' को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है। एक यूजर ने लिखा, अजुल का वायरल होना अजीब है, जबकि लोग इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि गुरु रंधावा ने स्कूली लड़कियों की तुलना शराब से की। पीडोफिलिया को बढ़ावा देना सिर्फ अजीब बात नहीं, बल्कि घिनौना है। फिर भी, वह दूसरों को नीचा दिखाते हुए खुद बहुत ऊंचे और ताकतवर बन जाते हैं। वहीं एक और यूजर ने सिंगर की क्लास लगा दी। उन्होंने वीडियो जारी करते हुए कहा, ये देखकर हैरानी हुई कि 2025 में भी लोग सोशल मीडिया के प्रभाव को गंभीरता से नहीं लेते। बच्चे इसे देखकर क्या सोचेंगे? कितनी आसानी से पीडोफाइल बर्ताव को नॉर्मल बनाया जा रहा है।

गुरु रंधावा ने साधी चुप्पी

गाने के ट्रेंडिंग में आने पर जहां सिंगर ने अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया वहीं उन्होंने इस मामले को लेकर फिलहाल कुछ नहीं कहा है। इन आरोपों पर उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

क्या कावेरी कपूर को भारत के सबसे मुश्किल रियलिटी शो के लिए किया गया है अप्रोच?

उभरती स्टार, बहुप्रतिभाशाली कावेरी कपूर को कथित तौर पर एक ऐसे रियलिटी शो के लिए अप्रोच किया गया है जिसे हाल के टेलीविज़न इतिहास के सबसे मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण रियलिटी शोज़ में से एक माना जा रहा है। शो की थीम के अनुसार प्रतिभागियों को ऐसे पावर डायनामिक्स और सामाजिक समीकरणों से गुजरना होगा, जहाँ उनके प्रभाव और स्थिति लगातार उनके फैसलों और रिश्तों के आधार पर बदलते रहेंगे। जिससे एक ऐसा माहौल बनता है जो भाग लेने के लिए पर्याप्त साहसी लोगों के लिए रोमांचक और भावनात्मक रूप से थका देने वाला दोनों हो सकता है। कावेरी, जो अपने करियर को बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ा रही हैं, उनके लिए यह एक बड़ा मौका हो सकता है — जहाँ वह अपनी पर्सनालिटी, मानसिक मजबूती और आत्मविश्वास को देश के सामने रख सकती हैं। हालांकि, कावेरी या उनकी टीम से संपर्क करने की कोशिशें अब तक बेनतीजा रही हैं। इस शो की प्रतिष्ठा ही ऐसी है कि इसे कमज़ोर दिल वालों के लिए नहीं कहा जाता है — ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कावेरी इसमें हिस्सा लेने के लिए हाँ कहती हैं या नहीं। कावेरी, जो पहले ही अपनी कविताओं, गीत लेखन, संगीत, और बॉलीवुड डेब्यू 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' के ज़रिए पहचान बना चुकी हैं, इस रियलिटी टीवी की दुनिया में कदम रखकर एक नया मोड़ ले सकती हैं। हालांकि यह उनके लिए एक अनदेखा और अनजाना सफर होगा, लेकिन उनकी मौजूदगी यकीनन दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। इसके साथ ही उनके पास 'मासूम 2' जैसी फिल्म भी है, जिससे ये साफ है कि कावेरी की झोली में कई बड़ी संभावनाएँ हैं। दर्शक बेसब्री से यह जानने का इंतज़ार कर रहे हैं कि कावेरी अगला कदम क्या उठाएंगी।

सोनाक्षी सिन्हा की 'जटाधरा' में हुई इस एक्ट्रेस की एंट्री

सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की मच अवेटेड फिल्म 'जटाधरा' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का टीजर सामने आने के बाद इसको लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई थी। अब फिल्म का नया पोस्टर सामने आया है, जिसमें फिल्म में एक नई एक्ट्रेस की एंट्री हुई है।
मेकर्स ने फिल्म 'जटाधरा' से अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर का लुक जारी कर दिया है। फिल्म में शिल्पा का स्वागत करते हुए मेकर्स ने उनके किरदार के बारे में भी जानकारी दी है। शिल्पा फिल्म में शोभा नाम का किरदार निभाएंगी। उनके किरदार में बारे में जानकारी देते हुए मेकर्स ने बताया कि 'वह सिर्फ लालच से प्रेरित नहीं है, बल्कि वह उसे परिभाषित भी करती है।' मेकर्स की ओर से जारी किए गए पोस्टर में शिल्पा काली साड़ी पहने हवन कुंड में जलती हुई आग के पास बैठी हैं। इस दौरान वो आग की ओर चीखते हुए जीभ निकाले हुए हैं। उनके आस-पास कई सारे कंकालों की खोपड़ी भी नजर आ रही है। साथ ही पीछे कई दीए जल रहे हैं। उनके लुक को देखकर ऐसा लगता है कि वो कोई तंत्र या पूजा वगैरह कर रही है।

मराठी आना फायदेमंद है, मगर इसके लिए हिंसा का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए

इंस्टाग्राम पर अपने कॉमिक कॉन्टेंट के कारण कास्टिंग डायरेक्टर की निगाह में आए कॉन्टेंट क्रिएटर आदित्य ठाकरे को पहली बार के ऑडिशन में ही धड़क 2 जैसी फिल्म में अहम भूमिका मिल गई। मुंबईया मुलगा आदित्य यहां अपने सफर पर बात करते हैं।

पिता का सपना पूरा किया

कॉन्टेंट क्रिएटर से एक्टर बनने के सफर के बारे में वे कहते हैं, मैं खुशकिस्मत हूं कि आज के दौर में पैदा हुआ, जब आज हमारे पास सोशल मीडिया और इंटरनेट है। आप अपना मौका खुद पैदा कर सकते हैं, जैसे मैंने किया। वरना मेरे पिताजी ने भी अभिनेता के रूप में काफी संघर्ष किया। वे भी अनगिनत ऑडिशन का हिस्सा रहे, मगर उन्हें मेरी तरह मौका नहीं मिला। वे ऑफिस से हाफ डे की छुट्टी लेकर ऑडिशन के लिए जाया करते थे। आज मैंने अपने पिता का सपना पूरा किया है। आपको शायद सुनकर अजीब लगे मगर मेरे पिता मेरी फिल्म 25-30 बार देख चुके हैं, थिएटर में जाकर। मेरे लिए यह गर्व की बात है।

मुझे जातिगत भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ा

जातिगत भेदभाव पर वे कहते हैं, मुझे अपनी जाति का पता ज़िंदगी में दो ही बार चला था, जब मैंने टेंथ और ट्वेल्थ का फॉर्म भरा था। मुझे लगता था कास्ट सिस्टम होता ही नहीं। मगर ये फिल्म करने के बाद मैं इन मुद्दों को जान पाया और मैं इश्यूज के प्रति और संवेदनशील हुआ हूं। हमने जब उनसे पूछा कि मुंबई में मराठी भाषा को लेकर जो दबाव बनाया जा रहा है, उसके बारे में उनका क्या कहना है? कई विडियोज में तो इसके लिए हिंसा का सहारा भी लेते हुए दिखाया गया है, तो आदित्य बोले, देखिए, जोर तो नहीं दिया जाना चाहिए। हम सभी वायलेंस के सख्त खिलाफ हैं। मगर किसी भाषा का आना आपके लिए ही फायदेमंद होता है। अगर आपको फ़्रांस जाना होता है, तो आपको वहां फ्रेंच का एग्जाम देना पड़ता है। इससे आपको काम के और मौके मिलेंगे। जो लोग महाराष्ट्र में हैं, उन्हें अगर मराठी नहीं आती, तो थोड़ी बहुत सीख लें, उन्हीं का फायदा होगा। जहां तक इस मुद्दे पर इंटरनेट पर आने वाले विडियोज की बात है, तो 30 सेकंड्स की रील पर क्या भरोसा किया जा सकता है, मगर इतना जरूर कहूंगा कि इस मामले में हिंसा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

पहले ऑडिशन में ही फिल्म मिल गई

बॉलिवुड में कई कलाकारों के लिए ऑडिशन का दौर बहुत लंबा होता है, मगर इस मामले में आदित्य ठाकरे भाग्यवान रहे। वे कहते हैं, मैं दोपहर में सो रहा था और मुझे एक ऑडिशन के लिए कॉल आया। ऑडिशन के बाद तीसरा दिन था और हम लोग गणपति विसर्जन के लिए जा रहे थे कि तभी कॉल आई कि करण जौहर के ऑफिस से बोल रहे हैं और आप चुन लिए गए हो। पहले तो मुझे लगा कि कोई प्रैंक कॉल है, मगर बाद में जब अहसास हुआ कि ये सच है, तो मैंने जोर से नारा लगाया, गणपति बप्पा मोरिया सबसे बड़ी बात ये है कि ये मेरा पहला ऑडिशन था, जो कास्टिंग डायरेक्टर उत्सव नरूला के जरिए हुआ और मैं पहले ही ऑडिशन में चुन लिया गया। फिल्म थी, धड़क और मेरा रोल था वासु का, जो फिल्म में नायक सिद्धांत चतुर्वेदी का दोस्त का था। तृप्ति और सिद्धांत दोनों ने मुझे हर तरह से सपोर्ट किया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।